हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्ष: 6, अंक: 157, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 23 नवम्बर, 2021 दिन मंगलवार | गाजीपुर/वाराणसी

देशभक्ति की भावना होगी जागृत : शाह

गृहमंत्री ने रखी रानी गाइदिन्ल्यू आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय की आधारशिला

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये मणिपुर के तामेंगलोंग जिले में रानी गाइदिन्ल्यू आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय की आधारशिला रखी। इस मौके पर केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। अमित शाह ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में बन रहे आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के संग्रहालय हमारे समाज को एकजुट करने में मदद करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मौके पर कहा, 'हमारे देश को आजाद कराने में सभी वर्गों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, भारत की आजादी में आदिवासी आबादी के संघर्षों और बलिदानों से शहरी अनजान है। यही वजह है कि पीएम मोदी ने विभिन्न राज्यों में इस तरह के संग्रहालय बनाने का फैसला किया। सरकार ने इस कार्य के लिए 195 करोड़ रुपये का निवेश करने का निर्णय लिया है। इसमें से 110 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है।' उन्होंने बताया कि ये संग्रहालय गुजरात, झारखंड, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और मणिपुर में बनाए जाएंगे। इससे देशभक्ति की भावना जागृत होगी। आदिवासियों के कल्याण और विकास के लिए पीएम मोदी ने कई प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। जनजातीय मामलों के मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि राज्य मंत्रिमंडल ने तय किया है कि संग्रहालय का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी रानी गाइदिन्ल्यू के नाम से रखा जाए और संग्रहालय की स्थापना रानी गाइदिन्ल्यू के गांव लुआंगकाओ में की जाए। बता दें कि जनजातीय मामलों के मंत्रालय की ओर से इस परियोजना के लिए लगभग 15 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। जनजातीय मामलों का मंत्रालय 15 नवंबर से शुरू हुआ आजादी का अमृत महोत्सव सप्ताह मना रहा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस के रूप में लान्च किया था। रानी गाइदिन्ल्यू को 1972 में ताम्रपत्र, 1982 में पद्म भूषण, 1983 में विवेकानंद सेवा सम्मन, 1991 में स्त्री शक्ति पुरस्कार और 1996 में भगवान बिरसा मुंडा पुरस्कार से मरणोपरांत सम्मानित किया गया था। भारत सरकार ने 1996 में रानी गाइदिन्ल्यू का एक स्मारक टिकट भी जारी किया था। 2015 में उनके जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री ने 100 रुपये का एक सिक्का और पांच रुपये का एक प्रचलन सिक्का जारी किया था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय तटरक्षक बल ने 19 अक्टूबर 2016 को एक फास्ट पेट्रोल वेसल आइसीजीएस रानी गाइदिन्ल्यू को कमीशन किया था।

पंजाब: केजरीवाल का नया एलान, बोले- सरकार बनी तो 18 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को हर महीने देंगे 1000 रुपये

चंडीगढ़। दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल सोमवार को पंजाब के मोगा पहुंचे। यहां उन्होंने तीसरी गारंटी की घोषणा की। आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर पंजाब की प्रत्येक महिला को 1000 रुपये महीने देने का एलान केजरीवाल ने किया। उन्होंने इसे दुनिया की सबसे बड़ी महिला सशक्तीकरण योजना बताई। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर परिवार में तीन महिलाएं हैं तो भी उनके खाते में एक-एक हजार रुपये हमारी सरकार जमा करवाएगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर किसी महिला को वृद्धा पेंशन का लाभ मिल रहा तो भी उन्हें 1000 रुपये महीना मिलेगा। केजरीवाल ने कहा कि यह दुनिया के इतिहास का सबसे बड़ा सशक्तीकरण अभियान बनेगा। दुनिया की किसी सरकार ने महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये नहीं जमा करवाए हैं।

'लोग शादी करें या तानाशाह की सनक मिटाएं' : राबड़ी

पटना। पिछले दिनों शराब पीने से बिहार में हुई मौतों के बाद पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। शराब पीने और बेचने वालों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। घर-घर शराब तलाशी जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई भी हो रहे है, लेकिन इस बीच पटना पुलिस अपने आक्रामक अभियान में नियमों को ही भूल गई। दरअसल, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें पुलिस बिना महिला सिपाही के दुल्हन के कमरे में जाकर तलाशी अभियान चला रही है और उसके कपड़ों तक की तलाशी लेती दिख रही है। यह वीडियो एक होटल या घर का है, जहां किसी लड़की की शादी है। ऐसे में पुलिस अचानक शराबबंदी के तहत रेड मारती है और सभी कमरों की तलाशी लेती दिख रही है। इस बीच एक पुलिस अधिकारी दुल्हन के कमरे की जांच करता भी दिख रहा है। वीडियो में कोई महिला पुलिस दिखाई नहीं दे रही है। हालांकि, दुल्हन के रिश्तेदार वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने इस घटना से जुड़े दो ट्वीट किए हैं। दोनों में उन्होंने वीडियो अपलोड किया है। राबड़ी देवी ने नीतीश सरकार पर हमला करते हुए लिखा है कि- बिहार पुलिस शराबबंदी के नाम पर बिना महिला पुलिसकर्मियों के दुल्हन के कमरों और कपड़ों की तलाशी ले रही है।

परमबीर सिंह को गिरफ्तारी से मिली राहत सुप्रीम कोर्ट बोला- जांच में करें सहयोग

नई दिल्ली। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने परमबीर सिंह की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है। वहीं, सिंह के वकील ने कोर्ट को बताया कि वे देश में ही हैं और वह 48 घंटे में सीबीआई के सामने पेश होने के लिए तैयार हैं। पिछली सुनवाई में शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि पहले परमबीर सिंह ये बताएं कि वे कहां हैं, उसके बाद ही उनकी याचिका पर सुनवाई होगी। मुंबई की एक अदालत ने परमबीर सिंह को भगोड़ा घोषित किया है क्योंकि बार-बार समन दिए जाने के बावजूद वे जांच समिति के सामने पेश नहीं हो रहे हैं। सौ करोड़ रुपये की वसूली के मामले में मुंबई पुलिस उनसे पूछताछ करना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई में कहा था कि सुरक्षा के लिए सिंह की याचिका पर तभी सुनवाई होगी जब वह यह बताएंगे कि वह देश में हैं या देश से बाहर हैं।' पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने सिंह को 22 नवंबर तक का समय दिया था और उनके वकील को अगली सुनवाई उनके ठिकाने की जानकारी देने को कहा था। सिंह की तरफ से सुरक्षा की मांग वाली याचिका पावर आफ अटार्नी के जरिए दायर की गई है। बता दें कि परमबीर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर संरक्षण की मांग की है। मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने सिंह समेत कुछ अन्य पुलिस अधिकारियों के खिलाफ दर्ज जबरन वसूली के मामले में उन्हें भगोड़ा घोषित किया है। सिंह आखिरी बार इस साल मई में अपने कार्यालय आए थे जिसके बाद वह छुट्टी पर चले गए। राज्य पुलिस ने पिछले महीने बांबे हाईकोर्ट को बताया था कि वो कहां हैं इसकी कोई जानकारी नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, परमबीर सिंह के छुट्टी पर जाने के दो महीने बाद महाराष्ट्र पुलिस ने एलओसी जारी किया था। सिंह पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

संविधान की परवाह नहीं करती मोदी सरकार, सुप्रीम कोर्ट का निर्णय भी मानने को तैयार नहीं : ममता

कोलकाता। सयानी घोष की गिरफ्तारी को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग या फिर केंद्रीय गृह मंत्री या (धारा) 355 कहां है? भारत सरकार की ओर से त्रिपुरा को कितने नोटिस भेजे गए हैं? वे संविधान की परवाह नहीं करते, वो केवल लोगों को धोखा देना जानते हैं। आखिरकार उनकी हार होनी तय है। बनर्जी ने कहा कि मैं इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से मिलूंगी। वो सहकारी संघवाद के नाम पर सत्ता पर कब्जा करना चाहते हैं और संघीय ढांचे तो नष्ट कर देना चाहते हैं। त्रिपुरा का मुद्दा दिल्ली, मुंबई और हर जगह उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के हर फैसले का सम्मान करते हैं लेकिन यह सरकार सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों को भी नहीं मान रही है।

राजस्थान मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद विभागों के बंटवारे पर खींचतान तेज, विधायक ने पूछा- मंत्री बनने की योग्यता

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंत्रिमंडल में फेरबदल कर सभी वर्गों को शांत करने का प्रयास किया है। राज्य में पहली बार 4 दलित और 2 महिलाओं को कैबिनेट मंत्री बनाकर 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव की बुनियाद रखी गई है। करीब डेढ़ साल से अपने समर्थकों को सत्ता में भागीदारी दिलाने की कोशिश में जुटे पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट खेमे के विधायकों को भी मंत्री बनाकर सबको साथ लेकर चलने का संदेश दिया गया। काफी जद्दोजहद के बाद नए मंत्रियों को शपथ तो दिला दी गई। लेकिन अब तक विभागों का बंटवारां नहीं हो सका है। हमेशा मंत्रियों के शपथ लेने के दो से तीन घंटे के भीतर ही विभागों का आवंटन कर दिया जाता था। लेकिन इस बार 20 घंटे बाद भी मंत्रियों को विभाग नहीं मिल पाए है। सूत्रों के अनुसार जिस तरह से नए बनने वाले मंत्रियों की सूची कांग्रेस आलाकमान के स्तर पर तय हुई, उसी तरह से विभागों का बंटवारा भी दिल्ली से होगा। आलाकमान को इस बात का डर सता रहा है कि यदि विभागों का बंटवारा सही नहीं हुआ तो फिर असंतोष बढ़ सकता है। ऐसे में पूरी करसत करने के बाद भी विभागों का बंटवारा किया जाएगा। प्रदेश प्रभारी अजय माकन सोमवार को दिल्ली रवाना हो गए। वह पार्टी के संगठन महामंत्री के.सी.वेणुगोपाल के साथ विभागों के बंटवारे पर चर्चा करेंगे। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी से भी सलाह की जाएगी। उधर मंत्रिमंडल फेरबदल के साथ ही विधायकों की नाराजगी भी सामने आई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और यूपी में प्रियंका गांधी के सहयोगी जुबेर खान की पत्नी साफिया ने कहा मंत्रिमंडल में महिला विधायकों को 33 फीसदी आरक्षण नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी नाखुशी पार्टी नेतृत्व को बता दी है। वहीं वरिष्ठ आदिवासी विधायक दयाराम परमार ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर कहा कि मंत्रिमंडल गठन के बाद ऐसा लगता है कि मंत्री बनने के लिए कोई विशेष योग्यता की आवश्यक्ता होती है। कृपया इसे बताने की कृपा करें कि विशेष काबलियत क्या है, जिससे उसको हासिल कर के भविष्य में मंत्री बनने की कोशिश की जा सके। एक बातचीत में परमार ने कहा कि मैं 6 बार विधायक रहने के साथ ही 2 बार राज्यमंत्री भी रहा। इस बार उन्हे मंत्री नहीं बनाया गया।

शेयर बाजार में तेज गिरावट, सेंसेक्स 1300 अंक से ज्यादा टूटा, निफ्टी 400 अंक फिसला

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शेयर बाजार की खराब शुरूआत हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेसेंक्स 287.16 अंक या 0.48 फीसदी की गिरावट साथ 59,348.85 के स्तर पर खुला, जबकि एनएसई के निफ्टी ने भी कमजोर शुरूआत की। लाल

निशान पर खुलने के बाद कुछ देर के कारोबार के दौरान ही सेंसेक्स में भारी गिरावट आ गई और 30 शेयरों वाला सूचकांक अब तक करीब 500 अंक से ज्यादा टूट चुका है। यह गिरावट यहीं नहीं थमी 12 बजे तक सेंसेक्स में 890.65 अंक फिसलकर 59 हजार के स्तर से नीचे आ गया। फिलहाल सेंसेक्स में 1300 अंकों की भारी गिरावट आ चुकी है और यह 58,338.84 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच लाल निशान पर शुरूआत करने के बाद बीएसई के सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट बनी हुई है। एनएसई का निफ्टी भी भारी गिरावट झेल रहा है। यह 389 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। इसके शेयरों में 2.15 फीसदी की गिरावट आई है और यह 17382.20 के स्तर पर है। गौरतलब है कि एनएसई का निफ्टी बाजार खुलने के साथ ही 87.35 अंक या 0.49 फीसदी टूटकर 17,677.45 के स्तर पर खुला था। बीते कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। घरेलू शेयर बाजार के साथ ही एशियाई बाजार में गिरावट देखी गई थी। गुरुवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 372.32 अंकों की फिसलकर 59,636.01 और निफ्टी 133.85 अंकों की गिरावट के साथ 17,764.80 पर बंद हुआ था।

अभिनंदन वर्धमान को मिला वीर चक्र, पाकिस्तानी फाइटर प्लेन एफ-16 मार गिराने के लिए सम्मान

नई दिल्ली। 27 फरवरी, 2019 को पाकिस्तान की वायु सेना के F-16 लड़ाकू विमान को हवाई युद्ध में मार गिराने वाले भारतीय वासु सेना के विंग कमांडर (अब ग्रुप कैप्टन) अभिनंदन वर्धमान को राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने वीर चक्र से सम्मानित किया। तत्कालीन विंग कमांडर, अभिनंदन वर्धमान ने बालाकोट हवाई हमले के एक दिन बाद 27 फरवरी को भारत और पाकिस्तानी वायु सेना के बीच हवाई युद्ध में मिग -21 विमान से पाकिस्तानी लड़ाकू विमान एफ-16 को मार गिराया था। उन्हें 3 नवंबर, 2021 को ग्रुप कैप्टन के पद पर पदोन्नत किया गया था। अभिनंदन श्रीनगर स्थित 51 स्क्वाड्रन का हिस्सा थे और 27 फरवरी, 2019 को पाकिस्तानियों द्वारा शुरू किए गए हवाई हमले को विफल करने के लिए उड़ान भरी थी। पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती हमला किया था, जिसमें भारत के 40 जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद भारत ने 26 फरवरी को बालाकोट में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी जिसमें 300 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए थे। मेजर विभूति शंकर ढौंडियाल को आतंकियों के खिलाफ एक आपरेशन में उनकी भूमिका के लिए मरणोपरांत शौर्य चक्र दिया गया। इस मुठभेड़ में सेना ने पांच आतंकवादियों को मार गिराया था और 200 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। उनकी पत्नी लेफ्टिनेंट नितिका कौल और मां ने राष्ट्रपति से पुरस्कार ग्रहण किया। इसके अलावा राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने जम्मू-कश्मीर में एक आपरेशन के दौरान ए++ श्रेणी के आतंकवादी को मारने के लिए नायब सूबेदार सोमबीर को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने कोर आफ इंजीनियर्स के सपर प्रकाश जाधव को जम्मू-कश्मीर में एक आपरेशन में आतंकवादियों को मार गिराने के लिए मरणोपरांत दूसरे सर्वोच्च वीरता पुरस्कार कीर्ति चक्र से सम्मानित किया।

बिहार में शराबबंदी: बिना महिला सिपाही के दुल्हन के कमरे में पहुंची पुलिस, राबड़ी बोलीं- 'लोग शादी करें या तानाशाह की सनक मिटाए'

पटना। पिछले दिनों शराब पीने से बिहार में हुई मौतों के बाद पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। शराब पीने और बेचने वालों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। घर-घर शराब तलाशी जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई भी हो रहे है, लेकिन इस बीच पटना पुलिस अपने आक्रामक अभियान में नियमों को ही भूल गई। दरअसल, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें पुलिस बिना महिला सिपाही के दुल्हन के कमरे में जाकर तलाशी अभियान चला रही है और उसके कपड़ों तक की तलाशी लेती दिख रही है। यह वीडियो एक होटल या घर का है, जहां किसी लड़की की शादी है। ऐसे में पुलिस अचानक शराबबंदी के तहत रेड मारती है और सभी कमरों की तलाशी लेती दिख रही है। इस बीच एक पुलिस अधिकारी दुल्हन के कमरे की जांच करता भी दिख रहा है। वीडियो में कोई महिला पुलिस दिखाई नहीं दे रही है। हालांकि, दुल्हन के रिश्तेदार वीडियो में दिखाई दे रहे हैं।

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने इस घटना से जुड़े दो ट्वीट किए हैं। दोनों में उन्होंने वीडियो अपलोड किया है। राबड़ी देवी ने नीतीश सरकार पर हमला करते हुए लिखा है कि- बिहार पुलिस शराबबंदी के नाम पर बिना महिला पुलिसकर्मियों के दुल्हन के कमरों और कपड़ों की तलाशी ले रही है। यह निजता के अधिकार का उल्लंघन है। बिहार में शराब कैसे व क्यों पहुंच रही है, कौन पहुंचा रहा है? उसकी जांच और खोजबीन नहीं लेकिन उल्टा सनकी सरकार महिलाओं को ही परेशान कर रही है? राबड़ी देवी ने दूसरे ट्वीट में लिखा है कि अब लोग शादी करें या तानाशाह की सनक मिटाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार पुलिस, शराब माफिया और सरकार के गठजोड़ से ये खुद शराब मंगवाते, बेचते और बिकवाते हैं। उस पर कार्रवाई ना करने की बजाय आम नागरिकों को परेशान करना, उनकी निजता का उल्लंघन कर उनके निजी जीवन में अतिक्रमण करना कौन सा कानून है?

महापंचायत में पहुंचे राकेश टिकैत तय हो रही आगे की रणनीति

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कृषि कानून को वापस लेने का ऐलान कर चुके हैं, इसके बाद भी संयुक्त किसान मोर्चा आंदोलन आगे बढ़ा रहा है। राजधानी के इको गार्डेन पार्क पर संयुक्त किसान मोर्चा की महापंचायत में भाकियू नेता राकेश टिकैत पहुंच गए हैं। इस दौरान उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान मृत 750 किसानों को शहीद का दर्जा दिए जाने की मांग की। राजधानी पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैत ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की भी मांग की है। कहा, टरढ पर कानून बनाओ। उन्होंने कहा कि दूध के लिए भी एक नीति आ रही है उसके भी हम खिलाफ हैं, बीज कानून भी है। इन सब पर बातचीत करना चाहते हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता योगेंद्र यादव ने कहा है कि यूपी में आंदोलन से पहले ही सरकार ने तीन कृषि कानून को वापस लेने का ऐलान कर दिया है, इसलिए जीत का जश्न है और किसानों में आगे की जंग का जज्बा भी है।

जीत का जश्न है और आगे जंग का जज्बा भी : योगेंद्र यादव ने कहा कि वह तो बहुत पहले से कह रहे थे कि कृषि कानून मर चुके हैं, अब उन्हें डेथ सर्टिफिकेट चाहिए। पीएम ने उसकी भी घोषणा कर दी है। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री को अहंकार की बीमारी लगी है, जनता एक साल से दवाई कर रही थी लेकिन उसका असर नहीं हुआ। पश्चिम बंगाल चुनाव ने छोटा इंजेक्शन दिया और यूपी

विधानसभा चुनाव में बड़ा इंजेक्शन लगाने से पहले ही बड़ा असर हो गया है। ये जीत किसानों की है, 70 साल में पहली बार उनकी मांगे मानी गई। उन्होंने कहा कि किसानों को दान नहीं चाहिए, फसल का सही दाम चाहिए। ये दाम एमएसपी से मिलेगा। जब तक दाम मिलने की बात नहीं मानी जाती आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन कैसा होगा ये 27 नवंबर को मोर्चा तय करेगा। उन्होंने कहा कि गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र को बर्खास्त करके गिरफ्तार कराएं। संयुक्त किसान मोर्चा अब फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून बनाने पर अड़ा है। मोर्चे की ओर से कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार लगातार इस मुद्दे पर किसानों को गुमराह कर रही है कि एमएसपी लागू थी, लागू है और लागू रहेगी। जबकि हकीकत यह है कि किसानों की उपज औने-पौने दामों पर खरीदी जा रही है। संसद से कृषि बिल पास होने व कानून बनने के बाद से किसानों का आंदोलन चल रहा है। मोर्चा की प्रदेश कमेटी के सदस्य व भाकियू के प्रदेश उपाध्यक्ष हरिनाम सिंह वर्मा कहते हैं कि कृषि कानून वापसी चुनावी जुमला भर है। उन्होंने कहा कि कृषि कानून संसद से पास हुए थे तो संसद से ही वापस होने चाहिए। इसके लिए टेलीविजन पर बयानबाजी करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक एमएसपी पर कानून बनाकर इसे लागू नहीं किया जाएगा, तब तक किसान मानने वाले नहीं है। किसान पंचायत में बिजली, डीजल, महंगाई आदि पर बात होगी।

विस्कान्सिन में तेज रफ्तार SUV ने क्रिसमस परेड में लोगों को रौंदा, 5 मरे, 40 से अधिक घायल

न्यूयार्क। अमेरिका के उत्तरपूर्वी राज्य विस्कान्सिन में रविवार दोपहर एक परेड के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बताया गया कि छुट्टी के दौरान एक क्रिसमस परेड निकाली जा रही थी, जिस दौरान एक हादसे में कई लोग हताहत हो गए। स्थानीय पुलिस प्रमुख ने कहा कि रविवार को विस्कान्सिन के वुकेशा में भीड़भाड़ वाली क्रिसमस परेड में एक एसयूवी जा घुसी, इसमें 40 से अधिक लोग घायल हो गए और कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है। हालांकि, पुलिस ने अभी इसे आतंकवादी घटना न होने से भी इनकार नहीं किया है। वुकेशा के पुलिस प्रमुख डैन थाम्पसन ने कहा कि संदिग्ध वाहन को कब्जे में ले लिया गया है और मिल्वौकी से लगभग 20 मील (32 किमी) पश्चिम में वुकेशा में घटना के बाद किसी प्रकार का कोई तनाव नहीं है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि वुकेशा शहर के पास के लोगों को जगह-जगह शरण लेने के लिए कहा जा रहा है। पास के कैरोल यूनिवर्सिटी परिसर ने ट्वीट किया, 'एक घटना के कारण लाकडाउन पर है। कृपया सुरक्षित रहें और अगली सूचना तक अपने स्थान पर रहें और जगह पर आश्रय लें।' बिना ज्यादा जानकारी के अधिकारियों ने मामले में संदिग्ध की पहचान की है। पुलिस ने कहा कि कुछ घायलों को एम्बुलेंस, अन्य को पुलिस और अन्य को परिवार और दोस्तों द्वारा अस्पताल ले जाया गया। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय मीडिया ने बताया कि परेड के दौरान कार में से गोलियां भी चलाई गईं। हालांकि, इस जानकारी की फिलहाल पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना के एक आनलाइन पोस्ट किए गए वीडियो में एक लाल वाहन को परेड में घुसते हुए देखा जा सकता है। कार तेज रफ्तार में है और काफी लोग भागते हुए नजर आ रहे हैं। एक दूसरे वीडियो में, पुलिस वाहन पर गोलियां चलाती हुई दिखाई दी। एक महिला ने Fox6 टीवी स्टेशन को बताया कि एसयूवी ने 9 से 15 साल की लड़कियों की डांस टीम को टक्कर मार दी।

चिंतन मनन

वेस्ट यूपी सधेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल बनाए तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का ऐलान किया है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री का यह फैसला यूपी और पंजाब सहित पांच राज्यों में निकट भविष्य में होने वाले चुनावों के मद्देनजर लिया गया है। वेस्ट यूपी में भी कृषि कानूनों के खिलाफ लंबे समय से आंदोलन चल रहा था। तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी की हिंसा में चार किसानों के मारे जाने के बाद इसमें और गर्माहट आ गई थी। यह तय माना जा रहा था कि अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव में यह मुद्दा अहम होगा। लेकिन कृषि कानूनों की वापसी के पीएम के ऐलान के बाद यह माना जा रहा है कि इसका असर वेस्ट यूपी के राजनीतिक समीकरणों पर भी जरूर पड़ेगा। विपक्षी दल वेस्ट यूपी में जहां अब तक किसान आंदोलन से बड़ी उम्मीद लगाए बैठे थे, वहीं अब यह मुद्दा खत्म गया है। जाहिर है इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विपक्ष के समीकरण गड़बड़ा सकते हैं। लिहाजा, अब उन्हें नए सिरे से अपनी रणनीति पर विचार करना होगा। किसान, इन कृषि कानूनों को लेकर सरकार से खासे नाराज थे। भाजपा के रणनीतिकारों को साफ लग रहा था कि इस नाराजगी का असर 2022 में पश्चिमी यूपी के 16 जिलों की 136 सीटों के गणित पर पड़ सकता है। 2017 में भाजपा ने पश्चिमी यूपी की 109 सीटों पर कब्जा किया था। अलग-अलग जिलों की बात करें तो भाजपा मेरठ की सात सीट में से छह सीटों पर जीती थी। एक सीट सपा के खाते में गई थी। बागपत में एक सीट पर भाजपा हारी थी लेकिन इस सीट पर रालोद के टिकट पर जीते विधायक बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। सहारनपुर की सात में चार सीटें भाजपा जीती थी। तीन पर उसे हार मिली थी। एक सीट सपा और दो कांग्रेस ने जीती थीं। मुरादाबाद में छह में से दो सीटें भाजपा ने जीती थीं। अन्य चारों सीटों पर सपा जीती थी। अमरोहा की चार सीटों में से तीन भाजपा जीती थी एक पर पर सपा जीती थी। फिरोजाबाद में चार में से तीन पर भाजपा जीती थी। एक सीट सपा के खाते में गई थी। मैनपुरी में चार में से एक सीट भाजपा और एक सीट सपा ने जीती थी। बदायूं में छह में से पांच सीटों पर भाजपा जीती थी। एक पर सपा जीती थी। संभल में चार में से दो भाजपा और दो पर सपा जीती थी। बिजनौर में आठ में से छह सीटें भाजपा ने जीती थीं। दो पर सपा जीती थी। रामपुर में पांच में से दो सीटें भाजपा और एक सीट पर सपा जीती थीं। शामली में तीन में से दो सीटें भाजपा ने जीती थी। एक पर सपा जीती थी। हापुड़ में तीन में से दो सीटें भाजपा ने जीती थीं। एक पर बीएसपी को जीत मिली थी। शाहजहांपुर में छह में से पांच सीटों पर भाजपा जीती थी। एक सीट सपा के खाते में गई थी। मथुरा में पांच में से चार सीटों पर भाजपा जीती थी एक पर बीएसपी को जीत मिली थी। इसी तरह हाथरस में तीन में से दो सीटें भाजपा ने जीती थीं। एक पर बीएसपी को जीत मिली थी। 16 जिलों में कुल 27 सीटें भाजपा हार गई थी। इस चुनाव में भाजपा ने 27 हारी सीटों पर अलग से फोकस करना शुरू किया था लेकिन किसानों की नाराजगी के चलते पूरे वेस्ट यूपी में नुकसान की आशंका भी थी। उधर, वेस्ट यूपी से आने वाले मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने जिस बेबाकी से मीडिया में कृषि कानूनों के खिलाफ अपने विचार रखे और उस पर पार्टी नेतृत्व और केंद्र सरकार ने चुप्पी साधे रखी उससे लगने लगा था कि कहीं न कहीं उनके विचारों को पार्टी में भी एक हद तक स्वीकार किया जा रहा है। जानकारों की मानें तो पिछले कई महीनों से भाजपा में कृषि कानूनों की वापसी पर विचार चल रहा था। अन्य उपायों पर भी विचार किया गया लेकिन आंदोलन पर डटे किसानों के रुख को देखते हुए साफ हो गया कि किसान, कृषि कानूनों की वापसी से कम कुछ भी स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के बीच चल रही गठजोड़ की बातों पर भी पार्टी की नजर थी। जानकारों का कहना है कि यदि किसान, जाट और चौधरी चरण सिंह की विरासत पर राजनीति करने वाली रालोद सपा से हाथ मिलाती है तो पश्चिमी यूपी की 136 में से कई सीटों पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। इसी वजह से भाजपा कोई रिस्क लेने को तैयार नहीं थी।

हुआ नहीं कमाल !

ना पूछना हर जगह के ।
ट्रैफिक का अब हाल ।।
इतने सालों में भी ।
हुआ नहीं कमाल ।।
आए दिन जाम से ।
सब हैं परेशान ।।
स्थिति भयावह ।
चढ़ रही परवान ।।
मानसिक तनाव और ।
बढ़ता नियमित कष्ट ।।
हालत में सुधार कब ?
ना होता स्पष्ट ।।
आधुनिक तो बन रहे ।
पर बदली ना चाल ।।
नहीं निजात मिलना ।
बड़ा है सवाल ।।
–कृष्णेन्द्र राय

मानव तस्करी दुनिया की सबसे बड़ी समस्या

सारी दुनिया में मानव तस्करी गंभीर समस्या है, इस समस्या को जड़ से समाप्त करना संभव ही नही है। हम यह कह सकते है मानव तस्करी रोकने जो प्रयास हो रहे है उनसे यह अपराध कुछ कम हुआ है। हाल ही में एक अमेरिकी एजेंसी ने मानव तस्करी पर जो रिपोर्ट जारी की है उस रिपोर्ट में उल्लेख किया है मानव तस्करी रोकने के उपायों के आधार पर भारत द्वितीय श्रेणी में है। अमेरिका का विदेश मंत्रालय हर वर्ष एंट्री ट्रेफिकिंग रिपोर्ट जारी करता है। उक्त जारी ट्रेफिकिंग इन पर्सन्स रिपोर्ट जो विगत वर्ष जारी की गई उसमें भारत में मानव तस्करी रोकने के आधार पर द्वितीय श्रेणी के देश के रूप माना है। भारत सरकार ने अमेरिका के ट्रैफिकिंग विक्टिम्स प्रोटेक्शन एक्ट के न्यूनतम मानदंडों को प्रभावी तरीके से लागू नही कर सकी है।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया है मानकों के अनुपालन का भारत में प्रयास किया जा रहा है।हम भारत में मानव तस्करी के मामलों की बात करें तो टी आर पी रिपोर्ट के अनुसार भारत में मानव तस्करी के अधिकांश मामले आंतरिक होना पाया गया है। इन मामलों में अधिकांश प्रकरण निचली पिछड़ी जातियों व धार्मिक अल्प संख्यकों से जुड़े होते है। सबसे ज्यादा खतरा इन जातियों पर ही रहता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में भवन या सड़क निर्माण, स्टील कपड़ा उधोग, अंडरग्राउंड केबल निर्माण, बिस्कुट एवं नमकीन कारखाने , फूलों की खेती और मछली पालन जैसे उधोगों में डरा धमकाकर जबरन मजदूरी कराने की मानसिकता ने मानव तस्करी में तीव्र गति से विस्तार किया है। बेगार, बधुआ मजदूरी सहित वेश्यावृत्ति के लिये देश में अवैध रूप से बेरोजगार अथवा

जरूरतमंद लोगों को उचित नौकरी या रोजगार के अवसर दिलाने का झांसा देकर वयस्कों बच्चों युवतियों व महिलाओं को अपने जाल में फसाते है। ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर एंड ट्रेफिकिंग व्यवसायिक यौन शोषण से छुड़ाये गये 60 प्रतिशत पीड़ितों ने यह स्वीकार किया है कि उन्हे उचित रोजगार दिलाने के नाम पर मजबूर किया गया। जारी रिपोर्ट में उल्लेख किया है भारत में मानव तस्करी रोकने शोषण से मुक्ति दिलाने अनेक संस्थायें काम कर रही हैं, विडंबना यह है जिनको तस्करी से मुक्त कराया जाता है उन पीड़ितों को संरक्षण पुनर्वास देखरेख करने की शासकीय सेवाएँ पूरी तरह से सक्रिय नही है अथवा विफल है। भारत में कानून प्रवर्तन में प्रगति की सही जानकारी नही मिल पाती क्योंकि अधिकारी तस्करी रोकने के समुचित व गैर एकीकृत आंकड़े नही देते। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों में निरीक्षण, अभियोजन या दोष साबित होने बाले मामले शामिल नही किए जाते और आंकड़ों में पीड़ितों की सजा के मामले होते है,जबकि वेश्या वृति के लिये ग्राहक तलाशने व सेक्स तस्करी पीड़ितों को छिपाने में संलिप्तता को आपराधिक कृत्य घोषित करने वाले अनैतिक व्यापार अधिनियम को पूरी क्षमता से लागू नही किया जाता है। भारत में महिलाओं की तस्करी के मुख्य केन्द्र दिल्ली,मुंबई, कोलकाता, गुजरात सहित भारत नेपाल सीमा क्षेत्र है। भारतीय दण्ड संहिता की धारा 370 में सेक्स ट्रेफिकिंग के विभिन्न तरीकों का निषेध और सात वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है।

साथ ही यह भी प्रावधान है मानव तस्करी में सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता पायी जाना प्रमाणित होता है तो उसको आपराधिक कृत्य मानते हुए अधिकतम आजीवन कारावास की सजा दी जायेगी। मानव तस्करी रोकने इस कानूनी प्रावधान के अलावा बंधुआ श्रम प्रणाली अधिनियम, बाल श्रम अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम और भारतीय दण्ड संहिता के अन्य प्रावधानों के अन्तर्गत बेगार के विभिन्न तरीकों का निषेध किया गया है। अमेरिका अपने टीवीपीए कानून के न्यूनतम मानकों पर कार्यान्वयन के आधार पर विभिन्न देशों का वर्गीकरण करता है। प्रथम श्रेणी में वे देश आते है जहाँ पर टीवीपीए के न्यूनतम मानकों को पूरी तरह से लागू करते है, जबकि दूसरे स्थान पर वे देश आते है, जो न्यूनतम मानकों को पूरी तरह लागू नही कर पाते, लेकिन प्रयासरत होते है। टीवीपीए न्यूनतम मानकों की व्यापकता के चलते भारत अब तक सफल नही हो पाया है। सारी दुनिया में चल रहे अनेक प्रयासों के वावजूद यह विचारणीय प्रश्न है कैसे रुकेगी मानव तस्करी?

देश नहीं: सत्ता सर्वोपरी कृषि कानूनों की वापसी: भूत ने घर देख लिया....!

यह बात बिल्कुल सही है कि नरेन्द्र भाई मोदी जो भी कहते है, अजूबा ही करते है... और ऐसा कुछ करते है, जो आजादी के बाद से अब तक नहीं हुआ.... इसका सबसे ताजा उदाहरण उन कृषि कानूनों की वापसी है जो संविधान के तहत संसद से पारित होकर और महामहिम राष्ट्रपति जी के हस्ताक्षरों से युक्त होकर कानून बन चुके है, सत्ता के लिए संविधान के साथ इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है? जो किसान संगठन पिछले सवा साल से इन कानूनों के विरोध में आंदोलन छेड़े हुए थे और सरकार उन पर बिल्कुल भी ध्यान देना तो दूर किसानों की मांगों को सिरे से खारीज कर रही थी, उसी सरकार का प्रधानमंत्री अचानक संविधान के अनुरूप पारित कानूनों की वापसी की घोषणा कर दे तो आश्चर्य किसे नहीं होगा? चूंकि अगले तीन महीनों में पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव होना है और इन राज्यों में पंजाब व उत्तर प्रदेश भाजपा की प्रतिष्ठा के प्रश्न बन गए है और इन दोनों प्रदेशों में किसान वोटर तीस फीसदी से भी अधिक है, इसलिए अचानक संसद द्वारा पारित व राष्ट्रपति जी द्वारा अनुमोदित कानूनों का वापस लिया जाना क्या भारतीय लोकतंत्र के इन दो प्रमुख स्तंभों का अपमान नहीं है?

फिर सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण बात यह भी है कि अपने पिछले सात सालों में जितने भी कथित क्रांतिकारी कदम उठाए है,

जिनमें जम्मू-कश्मीर से धारा-370 की समाप्ति व सीएए जैसे कदम सभी पर अब प्रश्नचिन्ह नजर आएगें, क्योंकि एक प्रचलित कहावत है न कि- "किसी के मरने का गम नहीं गम तो इस बात का है कि भूत ने घर देख लिया है" अब कृषि कानून वापस लेने के बाद जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग उठने लगी है, कुल मिलाकर भाजपा व उसकी सरकार अपने जिन फैसलों को अब तक क्रांतिकारी बताती आ रही थी, अब उन सभी फैसलों के सामने प्रश्नचिन्ह लगने वाला है।

फिर यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि आपकी इस घोषणा से किसानों ने कौनसा अपना आंदोलन खत्म कर दिया, बल्कि उन्होंने तो अब न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमआरपी) की विधिवत मांग कर उसका कानून बनाने की मांग शुरू कर दी और उनका धरना व आंदोलन पूवार्नुसार जारी है। ....आारर अब चूंकि देश में ऐसा पहली बार हो रहा है कि संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित व राष्ट्रपति जी के हस्ताक्षर से बना कानून वापस लिया जा रहा है, इसलिए सरकार को कानून वापसी की संवैधानिक प्रक्रिया खोजनी पड़ेगी और संविधान विशेषज्ञों की इस मसले पर राय लेना पड़ेगी, तब कहीं कानून वापसी की प्रक्रिया शुरू हो पाएगी और किसान संगठन तो पहले ही कह चुके है कि कानून वापसी की संवैधानिक प्रक्रिया पूरी होने और वैधानिक रूप से कानून वापस लेने तक वे अपना आंदोलन जारी रखेगें.... और यदि इस प्रक्रिया में समय लग गया और चुनावों तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो फिर इतनी बड़ी मशक्कत का क्या लाभ होगा? क्या किसान वोटर संतुष्ठ होकर भाजपा के समर्थन में आ पायेगें? यह भी एक विचारणीय प्रश्न है?

....फिर यहां यभी भी सवाल खड़ा होता है कि क्या देश के प्रतिपक्षी दल इस मौके का राजनीतिक लाभ उठाने का भरसक प्रयास नहीं करेगें? अभी प्रधानमंत्री की महज घोषणा पर ही प्रतिपक्षी दल इतने सक्रिय होकर कई सवाल खड़े कर रहे है तो फिर जब चुनावों तक यदि कानून वापसी की लम्बी प्रक्रिया खत्म नही होती है तो फिर क्या होगा, तब भाजपा की स्थिति "माया मिली न राम" जैसी नहीं हो जाएगी?

अब तो यह भी सवाल उठाये जाने लगे है कि क्या प्रधानमंत्री जी ने अपनी इस त्वरित व आकस्मिक महत्वपूर्ण घोषणा के पूर्व अपने सभी साथियों को विश्वास में लिया? मोदी जी के सम्मान व अनुशासन के डंडे के कारण भाजपा के वाचाल नेताओं ने मुंह नहीं खोले है, वर्ना अंदरूनी रूप से तो किसानों के सामने सरकार के समर्पण के खिलाफ ही है नेतागण अब किसान कानून वापस लेकर यदि यह माना लिया जाए कि आपने किसानों को संतुष्ट कर दिया, किंतु अन्य सरकारी फैसलों को लेकर जो सवाल व मांगें उठाई जा रही है, उनका क्या होगा? क्या भाजपा को जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ना है? तो फिर अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग का क्या? यह तो सिर्फ एक उदाहरण है, सरकार ने तो पिछले सात सालों में देश के कई वर्गों के लिए महत्वपूर्ण फैसले लिये है, उन सभी पर सवाल उठे तो फिर सरकार व कानून संविधान का क्या होगा? ये कुछ ऐसे अनुत्तरित सवाल है जो देश की सुख-शांति से जुड़े है और इनका किसी के भी पास कोई उत्तर नहीं है, इसलिए प्रधानमंत्री की यह आकस्मिक घोषणा सवालों के कटघरें में है।

कॉमेडियन्स नहीं, राष्ट्रद्रोही! विषय पर ऑनलाइन विशेष संवाद!

भारत का अपमान करनेवाले वीर दास जैसे कलाकारों को कारागृह में भेजे ! – श्री. सुनील पाल, प्रसिद्ध हास्य–कलाकार

भारत की गौरवशाली बातों के विषय में सभी को अभिमान और आदर होना चाहिए । अमेरिका में जाकर हमारे भारत की बदनामी करनेवाले वीर दास के कथनों की मैं निंदा करता हूं । हास्य-कलाकारों का काम शुद्ध विनोद से लोगों को हंसाना है, तथापि देश की बदनामी करना, अश्लील-तुच्छ विनोद करना, गालियां देना, हिन्दू देवताओं के विषय में अपशब्दों का उपयोग करना, यह एक प्रकार का वैचारिक आतंकवाद ही है । इनकी तुलना में रास्ते के बेवडे अधिक अच्छा मनोरंजन करते हैं । बडों का सम्मान और सामाजिक सीमा का पालन न करनेवाले ऐसे लोगों को मैं हास्य-कलाकार तो क्या कलाकार भी नहीं मानता । यह लोग समाज के शत्रु है । देश के शत्रुओं को जो दंड दिया जाता है, वही दंड उन्हें देना चाहिए । उन्हें कारागृह में भेजे बिना वे सुधरनेवाले नहीं है, ऐसा सुस्पष्ट प्रतिपादन मुंबई के प्रसिद्ध हास्य-कलाकार श्री. सुनील पाल ने किया है। हिन्दू जनजागृति समिति आयोजित कॉमेडियन्स नहीं, राष्ट्रद्रोही !, इस ऑनलाइन विशेष संवाद में वे बोल रहे थे ।

इस समय मुंबई के सैफ्रन थिंक टैंक के संस्थापक श्री. सिद्धांत मोहिते ने कहा कि भारत में दिन में महिला की पूजा की जाती है और रात में गैंग रेप किया जाता है, ऐसा दुष्प्रचार करनेवाले वीर दास अकेले नहीं, इसमें बॉलीवुड के कुछ बडे लोग भी सहभागी है । इससे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज के विषय में आपत्तिजनक वक्तव्य किए गए थे। केवल वीर दास ही नहीं, अपितु अग्रीमा जोशूवा, मुनव्वर फारूकी, कुणाल कामरा जैसे अनेक कलाकार है, जो देवी-देवताओं पर तुच्छ विनोद करते हैं । क्या यह लोग मुसलमान अथवा ईसाई

धर्मियों के श्रद्धाकेंद्रों के विषय में विनोद करने का साहस करेंगे? कर्नाटक की पत्रकार लक्ष्मी राजकुमारने कहा कि हास्य-कलाकारों का आचरण देखते हुए लगता है कि उन पर उपचार करने की नितांत आवश्यकता है । अपने देश की महिलाओं का अपमान करनेवाले वीर दास एक प्रकार से स्वयं की माता को भी उसी मापदंड पर तौल रहे हैं, यह उनके ध्यान में नहीं आता ।

नई दिल्ली के हिन्दू जनजागृति समिति के प्रवक्ता श्री. नरेंद्र सुवेर्ने कहा कि देवी-देवता, संत, राष्ट्रपुरुष, धर्मग्रंथ, भारतमाता के विषय में विनोद कर लोगों के मन में बसी श्रद्धा कम करने का यह प्रकार विगत कुछ वर्षों से आरंभ है । पहले चलचित्र (फिल्म), उसके बाद वेब सीरिज और अब स्टैंड-अप कॉमेडी ऐसे विविध माध्यमों से अपमान किया जा रहा है । हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि रामायण, गीता, राम, कृष्ण इत्यादि हमारे राष्ट्रीय सम्मान है, उनका आदर बनाए रखने के लिए कानून बनाया जाना चाहिए । इसलिए हम भी ऐसी मांग करते है कि केंद्र सरकार श्रद्धाकेंद्रों का अवमान रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कठोर कानून बनाएं । आगे से देवता और श्रद्धास्थान का अपमान हिन्दू सहन नहीं करेंगे, ऐसा भी उन्होंने कहा ।

सर्दियों में रखें दिल का विशेष ख्याल

सर्दियों में दिल की बिमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप भी दिल के रोगी हैं, तो अपने दिल का ख्याल रखें। बढ़ती सर्दी हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है। सर्दी के मौसम का हृदय रोगों से गहरा संबंध होता है। सर्दी की वजह से हृदय व रक्त संचार प्रभावित होते है। सर्दी मौसम की वजह से दिल की धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे दिल में रक्त और ऑक्सीजन का संचार कम होने लगता है। इससे हाइपरटेंशन और दिल के रोगों वाले मरीजों में ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। सर्दी के मौसम में ब्लड प्लेट्लेट्स ज्यादा सक्रिय और चिपचिपे होते हैं, इसलिए रक्त के थक्के जमने की आशंका भी बढ़ जाती है। इस मौसम में दिल और उच्च रक्तचाप के रोगियों को अपना खास ख्याल रखना चाहिए। दिन छोटे होते हैं और अक्सर इस मौसम में लोग अवसाद या तनाव के भी शिकार हो जाते हैं।सर्दियों के अवसाद से पीड़ित लोग ज्यादा चीनी, ट्रांसफैट और सोडियम व ज्यादा कैलोरी वाला आरामदायक भोजन खाने लगते हैं, जो मोटापे, दिल के रोगों और हाइपरटेंशन से पीड़ित लोगों के लिए यह बहुत ही खतरनाक हो सकता है। शरीर के वजन को नियंत्रित रखने की कोशिश करें। शाकाहारी बनें, हरी सब्जियां, सलाद का सेवन करें। जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या अनुवांशिक है, उन्हें तुरंत अपने वजन पर नियंत्रण कर लेना चाहिए। डायबिटीज का फास्टिंग लेबल 110 के नीचे और खाना खाने के बाद का 180 के नीचे रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को हार्ट अटैक का खतरा रहता है, ब्रेन हेमरेज भी हो सकता है।सर्दी में गर्म कपड़े पहनें, ब्लड प्रेशर कम न होने दें। खून का दौरा (ब्लड सकुर्लेशन) कम हो जाता और इसलिए रक्त धमनियां सिकुड़ जाती हैं। इस कारण दिल के मरीजों में हार्ट अटैक की संभावना बढ़ जाती है। हृदय रोगियों के लिए आवश्यक है कि इस मौसम में कुछ बातों का खास ख्याल रखें। थोड़ा बहुत शारीरिक व्यायाम अवश्य करें।बाहर सर्दी ज्यादा होने पर घर के अंदर ही व्यायाम करें। हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को 40 साल की उम्र के बाद रक्तचाप की जांच कराते रहना चाहिए। नार्मल ब्लड प्रेशर 120/80 होना चाहिए। 150/90 से ऊपर है तो खतरा है। हृदय रोग से बचने के लिए ब्लड प्रेशर, शुगर व कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच कराएं। बादाम और पिस्ते का सेवन हृदय रोगियों के लिए लाभदायक है। ग्रीन टी का सेवन भी उनके लिए फायदेमंद हो सकता है। सर्दियों में धूप सेंकना बेहद जरूरी है। विटामिन डी के साथ आपको अपने डायट में करौंदा या क्रेनबेरी को भी शामिल करना चाहिए। नियमित रूप से व्यायाम और संतुलित व पौष्टिक भोजन लेना, ऐसी समस्याओं की आशंका को काफी कम कर देते हैं।जंक फूड या फिर चिकनाई युक्त खाना खाने से बचें।फिर भी कोई असुविधा महसूस होने पर डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

गर्भावस्था में हो सकता है प्लेसेंटा प्रिविआ, जानिए इसका मतलब, कारण

औरत होने का सबसे बड़ा सुख गर्भावस्था माना जाता है। इस स्थिति में हर महिला को अलग-अलग अनुभव होता है। आज के समय में जिस तरह से जीवनशैली में बदलाव हो रहे हैं उसका काफी हद तक गर्भावस्था पर भी प्रभाव पड़ रहा है। कई बार काम या कॅरियर बनाने के चलते दाम्पत्य फैमिली प्लेनिंग को टालते रहते हैं। वहीं, जब इसके बारे में प्लान करते हैं या प्रेग्नेंट होने की खुशी उन्हें नसीब होती है तो बहुत बार ये अपने साथ उम्र और लाइफस्टाइल से जुड़े कई कॉम्प्लिकेशन्स ले आती है, इनमें से एक प्लेसेंटा प्रिविआ भी है। इसके बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि प्रेगनेंसी में क्या होता है प्लेसेंटा प्रिविआ और इसे कैसे सही किया जा सकता है। आइए जानते हैं...

इसे भी पढ़ें: क्या गर्भावस्था में दिल की धड़कन बढ़ना सामान्य है या नुकसानदेह?

क्या है प्लेसेंटा प्रिविआ

प्रेगनेंसी के समय अगर गर्भनाल का विकास ऐसे होता है कि ये पूर्ण तौर पर या आंशिक तौर पर गर्भाशय ग्रीवा को ढकता है, तो ऐसी परिस्थिति को प्लेसेंटा प्रीविआ या लोझलाइंग प्लेसेंटा कहा जाता है। इससे प्रसव पीड़ा और प्रसव के समय मां और शिशु को खतरा होता है ऐसा इसलिए क्योंकि गर्भाशय ग्रीवा के खुलने की वजह से ये क्षतिग्रस्त हो सकती है। चिकित्सकों के अनुसार गर्भनाल वक्त से पूर्व गर्भाशय से अलग हो सकती है, ऐसे में मां को गंभीर तौर पर रक्तस्त्राव होता है जो शिशु को भी प्रभावित कर सकता है। इससे जन्म लेने वाले शिशु में कुछ विकार होने की संभावना होती है या फिर शिशु का जन्म वक्त से पहले हो सकता है या फिर जन्म के दौरान शिशु का वजन कम भी हो सकता है। प्लेसेंटा प्रीविआ की समस्या लगभग 200 में से एक महिला में देखी जाती है।

यह हैं प्लेसेंटा प्रिविआ की तीन स्थितियां

- मार्जनल प्लेसेंटा प्रिविआ- इसमें नाल आंतरिक ग्रीवा को खोलने वाले किनारे को ढ़क लेती है।
- कंप्लीट प्लेसेंटा प्रिविआ- इसमें आंतरिक ग्रीवा को खोलने वाला हिस्सा या कहें गर्भाशय का मुंह पूरी तरह नाल द्वारा ढ़क लिया जाता है।
- पार्शियल प्लेसेंटा प्रिविआ- इसमें आंतरिक ग्रीवा को खोलने वाला हिस्सा नाल द्वारा आंशिक रूप से ढ़क जाता है।

इसके होने के कारण क्या-क्या हैं

प्लेसेंटा प्रीविआ होने के कारण क्या हैं इसे लेकर निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता है। चिकित्सकों के अनुसार इसके होने के पीछ के कई कारण हो सकते हैं, इनमें से कोई भी एक इसका कारण हो सकता है।

- इस तरह की समस्या ज्यादातर महिला की उम्र पर भी निर्भर करती है। अगर प्रेग्नेंट महिला की आयु 30 साल या फिर उससे ज्यादा है तो प्लेसेंटा प्रिविआ की समस्या हो सकती है। - धूम्रपान या शराब का सेवन करने वाली महिलाओं को भी ये समस्या होने की संभावना रहती है।
- पहले सीजेरियन ऑपरेशन हो चुके वाली प्रग्नेंट महिलाओं में भी इस तरह की समस्या देखी जा सकती है।

इसे भी पढ़ें: जानिए क्या होती है एक्टॉपिक प्रेग्नेंसी और कैसे पहचानें इसे

प्लेसेंटा प्रिविआ का इलाज

प्लेसेंटा प्रिविआ का इलाज कई बातों पर निर्भर करता है। जैसे- गर्भावस्था का समय, ब्लीडिंग की मात्रा, गर्भ की स्थिति, रक्तस्त्राव कम हो गया है या जारी है, प्लेसेंटा और भ्रूण की स्थिति आदि। चिकित्सकों के अनुसार इसके इलाज के लिए किसी तरह का कोई मेडिकल ट्रीटमेंट या फिर सर्जरी मौजूद नहीं है। हालांकि, इस दौरान होने वाली रक्तस्त्राव यानी ब्लीडिंग को रोकने के लिए कई तरीके हैं। जैसे-

- अगर कम कम ब्लीडिंग हो रही है तो ऐसी परिस्थिती में चिकत्सक आराम, शारीरिक संबंध और एक्सरसाइज आदि गतिविधि न करने की सलाह देते हैं। - वहीं, अगर ज्यादा ब्लीडिंग होने पर खून चढ़ाने की नौबत आ सकती है। ऐसे में प्रेग्नेंसी के 36वें सप्ताह के बाद तुरंत डॉक्टर सिजेरियन डिलीवरी करवाने की सलाह देते हैं। इस दौरान अगर प्रेग्नेंसी के 37वें सप्ताह से पहले डिलीवरी करवानी पड़ती है तो नवजात का फेफड़ा सही तरह से विकसित नहीं होता है और फिर इसके लिए डॉक्टर कोर्टिकोस्टेरॉइड देते हैं।
- ब्लीडिंग न रुके या शिशु पर दबाव पड़ रहा हो तो ऐसे में डॉक्टर जल्द से जल्द सी-सेक्शन डिलीवरी की जरूरत पड़ती है यानी शिशु के प्रीमैच्योर होने पर भी डिलीवरी करनी पड़ सकती है।

यह डॉक्टरी सलाह

- फुल बेड रेस्ट- इस दौरान डॉक्टर द्वारा फुल बेड रेस्ट की सलाह दी जाती है। इसके साथ ही पैरों के नीचे तकीए लगाने कर लेटे रहने या बैठने की सलाह दी जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि पहले से ही नीचे मौजूद प्लेसेंट पर कोई दबाव न पड़े और वो ऊपर की तरफ आ सके।
- ज्यादा ब्लीडिंग होने पर कई बार डॉक्टर प्रेग्नेंट महिला को हॉस्पिटलाइज भी कर सकते हैं। प्रेगनेंसी के दौरान ज्यादा ब्लीडिंग हो घातक साबित हो सकता है। ऐसी परिस्थिती में इससे जुड़ी दवाएं या इंजेक्शजन बढ़ सकती है। - प्लेसेंटा प्रिविआ में देने जाने वाली दवाओं के कारण गर्भवती महिला की मॉर्निंग सिकनेस बढ सकती हैं।

जानिए क्या होता है जब आप घी की जगह इस्तेमाल करती हैं रिफाइंड ऑयल

इन दिनों हर दूसरे व्यक्ति से बात करते हुए लगता है कि जैसे आपकी फिटनेस का सबसे बड़ा दुश्मन घी ही है। इसके बाद मुझ जैसे कई लोगों ने घी की जगह रिफाइंड ऑयल का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। पर क्या आप जानती हैं कि क्या होता है आपके इस निर्णय का आपकी सेहत पर असर आइए पता करते हैं।

किचन में काम करते हुए अक्सर दिमाग हमारे खाने के पोषक तत्वों और गुणवत्ता की ओर चला ही जाता है। अगर आप भी पकौड़े तलते हुए ये सोच रही हैं कि यह तेल आपकी सेहत पर क्या प्रभाव डालता है, तो आपके सवाल का जवाब हम देंगे। ताकि आप समझ सकें कि घी और रिफाइंड ऑयल में से क्या है आपके और आपके परिवार की सेहत के लिए बेहतर।

हेल्दी फैट को लेकर चर्चा पिछले कुछ समय में बढ़ी है और यह सवाल हर किसी के मन में है कि वो जो फैट ले रहे हैं वह अच्छा है या बुरा। अब तक फैट को डाइट का दुश्मन और मोटापे का कारण मान लिया जाता था। यही कारण है कि फैट विलेन की भूमिका में आ गया था और लोगो ने फैट के सभी स्त्रोतों को अपनी डाइट से बाहर कर दिया। मगर हाल ही में फैट का महत्व लोगों को समझ आया है और गुड फैट यानी हेल्दी फैट डाइट में वापस लौट रहे हैं।

क्या हैं हेल्दी फैट?

अगर आप फिटनेस के प्रति जागरूक हैं, तो आपने हेल्दी फैट के बारे में जरूर सुना होगा। एवोकाडो से लेकर मछली और अंडों में हेल्दी फैट होता है। आसान भाषा में कहें, तो फैट दो प्रकार के होते हैं- सैचुरेटेड और अनसैचुरेटेड। सैचुरेटेड फैट आपके दिल के लिए फायदेमंद होते हैं। वहीं अनसैचुरेटेड फैट कोलेस्ट्रॉल और इंफ्लामेशन बढ़ाते हैं और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। अब लौटते हैं अपने मुख्य प्रश्न की ओर- घी और रिफाइंड तेल में से क्या ज्यादा बेहतर है?

पहले बात करते हैं घी की

यह तो आप जानती ही होंगी कि घी दूध से बनता है। दूध को मथकर फैट निकाला जाता है जिसे मक्खन कहते हैं। इस मक्खन को उबालकर इसका पानी खत्म कर दिया जाता है और शुद्ध रूप में हमें मिलता है घी। घी में लैक्टोज नहीं होता इसलिए लैक्टोज इंटोलेरेंट लोग भी घी का प्रयोग कर सकते हैं।

घी में सैचुरेटेड फैट होता है जो घी को शरीर के लिए फायदेमंद बनाता है। इसके साथ ही घी में कंजुगेटेड लिनोलिक एसिड होता है, जो घी को स्वास्थ्य के लिए लाभदायक बनाता है। घी गट हेल्थ के लिए अच्छा होता है इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड साइंस एंड न्यूट्रिशन में प्रकाशित रिव्यू के अनुसार घी फैट का सबसे हेल्दी रूप है। इसमें ब्यूटाइरेट होता है जो पाचनतंत्र को दुरुस्त रखता है।

चावल को छोड़े बिना भी कम हो सकता है वजन, जानें पकाने और खाने के सही तरीके

वजन कम करने के लिए सबसे पहले चावल छोड़ने की सलाह दी जाती है लेकिन अगर आपको चावल बहुत पसंद है और रोजाना मील का हिस्सा है, तो चावल को छोड़ना बहुत मुश्किल हो जाता है।डाइटीशियन्स की मानें, तो चावल को खाते हुए भी वजन कम किया जा सकता है लेकिन इसके लिए सबसे जरूरी है चावल को सही तरीके से खाया जाए, आइए जानते हैं कुछ टिप्स-

सिंगल मील में खाएं चावल

कोशिश करें, कि सिंगल मील में चावल की एक ही सर्विंग लें। इससे आपकी कैलोरी इन्टेक कम हो जाएगी क्योंकि चावल में काबोर्हाइड्रेट की मात्रा पहले से ही ज्याजदा होती है, इसलिए खाने की थाली में अन्यी कोई भी ऐसी चीज न परोंसे, जिसमें ज्यादा कार्ब हो।

सब्जियों के साथ पकाएं चावल

चावल में अपनी मनपसंद सब्जिथयां डाल कर पकाएं। सब्जि यों में ढेर सारा प्रोटीन और फाइबर पाया जाता है, जो आपके पेट को लंबे समय तक फुल रखने में मदद करेगा। राइस को हेल्दी बनाने के लिये इसमें बींस, शिमला मिर्च, ब्रोकोली, टोफू, पनीर और चिकन आदि मिला सकते हैं।

चावल फ्राई न करें

चावल को न तो फ्राई करें और न ही इसे क्रीम के साथ मिक्सन करें। इसे हमेशा पानी के साथ उबाल कर ही पकाएं। चावल बनाते समय अतिरिक्त पानी को भी फेंक दें। इससे चावल में मौजूद स्टा र्च निकल जाएगा।

किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं दूषित हवा-पानी

(तेजी से फैलने वाले कछ पर्यावरणीय प्रदूषक आपके किडनी के स्वास्थ्य पर नुकसानदेह असर डाल सकते हैं। एक नए अध्ययन इस बात का खुलासा हुआ है। अमेरिका की ड्यूक यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि पर एंड पॉलीफ्लोरोअल्काइल सबस्टांसेस (पीएफएएस) औद्योगिक प्रक्रियाओं और उपभोक्ता उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले नॉन बायोडिग्रेडेबल (स्वाभाविक तरीके से नहीं सड़ने वाले) पदार्थों का एक बड़ा समूह है और ये पर्यावरण में हर जगह मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि मनुष्य दूषित मिट्टी, पानी, खाने और हवा के जरिए पीएफएएस के संपर्क में आते हैं।

पीएफएएस के संपर्क से किडनी पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच के लिए अनुसंधानकर्ताओं ने अन्य प्रासंगिक अध्ययनों को खंगाला। ड्यूक यूनिवर्सिटी के जॉन स्टेनिफर ने कहा कि किडनी दें बेहद संवेदनशील अंग हैं खास कर बात जब पर्यावरणीय विषैले तत्वों की हो जो हमारे खून के प्रवाह में प्रवेश कर जाते हैं। उन्होंने कहा कि क्योंकि अब बहुत से लोग पीएफएएस रसायनों और उनके विकल्प के तौर पर तैयार हो रहे जेनएक्स जैसे बड़े पैमाने पर बनाए जा रहे नए एजेंटों के संपर्क में आ रहे हैं, यह समझना बहुत जरूरी हो गया है कि क्या और कैसे ये रसायन किडनी की बीमारी के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

अनुसंधानकर्ताओं ने 74 अध्ययनों को देखा जिसमें पीएफएएस के संपर्क से जुड़े कई प्रतिकूल प्रभावों के बारे में बताया गया है। इन प्रभावों में गुर्दों का सही ढंग से काम न करना, गुर्दे के पास की नलियों में गड़बड़ी और गुर्दे की बीमारी से जुड़े चयापचय मार्गों का बिगड़ जाना शामिल है। यह अध्ययन क्लिनिकल जर्नल ऑफ द अमेरिकन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (सीजेएएसएन) में प्रकाशित हुआ है।

त्योहारों पर भी बनाने के लिए शानदार डिश है परवल दुलमा

(नवसत्ता)। परवल दुलमा की रेसिपी को आप ऐसे तो बना ही सकती हैं लेकिन ये तीज-त्योहारों पर भी बनाने के लिए है परफेक्ट डिश, तो आइए जानते हैं इसकी क्विक रेसिपी।

सामग्रीः 250 ग्राम परवल छिले हुए, 1 प्याज का पेस्ट, 1 प्याज कटा हुआ, 1 टुकड़ा दालचीनी, 1 बड़ी इलायची, 1-2 तेजपत्ता, 1-2 लौंग, 1 साबुत लाल मिर्च, 1 टेबलस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टीस्पून हल्दी पाउडर, स्वादानुसार नमक, 2 टेबलस्पून तेल, 1/2 टीस्पून जीरा, 1 कप ताज़ा दही, 1 टेबलस्पून हरी धनिया कटी हुई

एक पैन में तेल डालकर गर्म करें। साबुत मसाले डालकर भूनें। जब जीरा चटकने लगे, प्याज का पेस्ट डालकर भूनें।

अदरक-लहसुन पेस्ट डालें। धनिया पाउडर, हल्दी व नमक डालकर अच्छी तरह भूनें। इस बीच दही फेंट लें।

पांच लक्षणों से पहचानिए कहीं आप डिप्रेशन के शिकार तो नहीं?

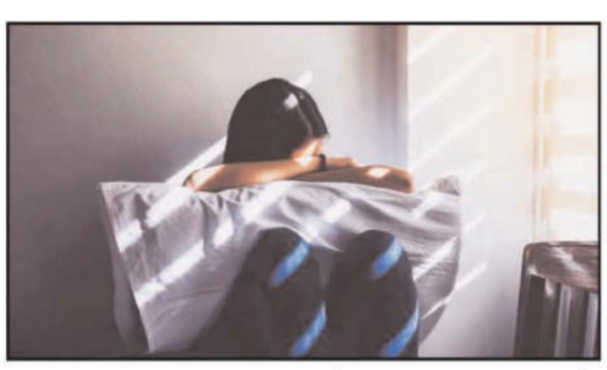

(डिप्रेशन बहुत ही गंभीर बीमारी है। इसमें व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित हो जाता है और भविष्य अंधकारमय दिखने लगता है। व्यक्ति भावनात्मक तौर पर कमजोर हो जाता है और उसमें रचनात्मक क्षमता का ह्रास होने लगता है। डिप्रेशन से पीडति इनसान खुद को बेहद अकेला और असहाय महसूस करता है। उसे जिंदगी में खुशी महसूस नहीं होती, निराशा उसपर पूरी तरह से हावी रहती है। डेली मेल में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा के एक मेडिकल स्टूडेंट और मोटिवेशनल स्पीकर जाचेरी डेरेनियोस्की ने एक ऐसा तरीका इजाद किया है जिसके आधार किसी व्यक्ति में डिप्रेशन की आशंका को पहचानने में मदद मिलेगी। इससे प्रभावित व्यक्ति को समय से पहले डिप्रेशन से बचाया जा सकता है। 1. अगर कोई व्यक्ति हमेशा यह कहे कि वह थका हुआ है तो समझिए कि उसमें डिप्रेशन का हमला होने वाला है। 2. डायवोर्स या बेरोजगारी जैसी कठिन स्थितियों का सामना करने वाला भी डिप्रेशन का शिकार हो जाता है। ऐसे व्यक्ति में यदि सामान्य से अलग व्यावहार दिखे तो समझिए वह डिप्रेशन में आ चुका है। 3. अगर कोई व्यक्ति लगातार यह कहे कि वह बहुत व्यस्त है और वो बेकार की चीजों के साथ वक्त गुजारता है तो उसमें डिप्रेशन की आशंका बहुत ज्यादा है। 4. अगर कोई व्यक्ति हमेशा चीजों में उलझा रहे। उसका व्यवहार बहुत रूखा हो और भावनात्मक रूप से उदास रहता हो तो वह व्यक्ति डिप्रेशन में आ चुका है। 5. अगर कोई व्यक्ति बातचीत में कम दिलचस्पी लेने लगे, खासकर उन बातचीत में जिनको लेकर पहले वह खूब बात-चीत करता था, तो ऐसे व्यक्ति में डिप्रेशन की आशंका ज्यादा है।जाचेरी डेरेनियोस्की के मुताबिक इन लक्षणों के आधार पर किसी व्यक्ति में डिप्रेशन को पहचाना जा सकता है। ऐसी स्थितियों में उस व्यक्ति के आसपास के लोगों को समय रहते उन्हें इलाज करवाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इससे वह बहुत बड़ी परेशानी से बच सकते है। इसके अलावा डेरेनियोस्की ने कुछ ऐसे मुहावरे भी बताए हैं जिसके आधार पर किसी व्यक्ति को डिप्रेशन में जाने से रोका जा सकता है। उन्होंने कुछ मुहावरों के बारे में बताया है कि इन मुहावरों को इस्तेमाल कर दरअसल डिप्रेस व्यक्ति को और ज्यादा डिप्रेशन में धकेलना होगा। हालांकि इन मुहावरों का प्रयोग लोग उन्हें दिलासा दिलाने या सांत्वना देने के लिए करते हैं लेकिन ये शब्द उनपर उलटा असर कर जाते हैं।

गोभी और ब्रोकली के सेवन से नहीं होता आंतों का कैंसर

(हरी पत्तेदार सब्जियां आंखों और आंतों के लिए बेहद लाभकारी होती हैं। हाल ही में एक अध्ययन में इस बात को प्रमाणित भी किया गया है। शोध में कहा गया है कि गोभी या ब्रोकली जैसी हरी सब्जियों के खाने से आंतों को सेहतमंद रहने में मदद मिलती है। यही नहीं, इससे आंतों के कैंसर से बचाव भी होता है। गोभी और ब्रोकली में एक्रियल हाइड्रोकॉर्बन रिसेप्टर नाम के प्रोटीन को सक्रिय करने की क्षमता होती है। यही आंतों के कैंसर से बचाव करने में मददगार होता है। शोध में चूहों पर प्रयोग किया गया था। शोधकर्ताओं ने चूहों को इंडोल3 कार्बिनोल युक्त आहार दिया। इससे उनमें आंतों के कैंसर से बचाव होने के संकेत मिले। इससे प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर शोधकर्ताओं ने बताया कि गोभी और ब्रोकली में पाया जाने वाला इंडोल3 कार्बिनोल शरीर में एएचआर नाम के प्रोटीन को एक्टिव करने का काम करता है। इससे आंतों के कैंसर से सुरक्षा होती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक एएचआर एक पर्यावरणीय सेंसर के रूप में काम करता है तथा प्रतिरक्षा थंत्र और आंतों की एपिथिलिएल कोशिकाओं को संकेत देता है कि सूजन से बचाव करने की कोशिश करें। साथ ही यह आंत में पाए जाने वाले खरबों बैक्टीरिया से प्रतिरक्षा भी प्रदान करता है। स्टडी की प्रमुख ब्रिटेन के फ्रांसिस क्रिक इंस्टीट्यूट की अमीना मेतीजी का कहना है कि जब कैंसरग्रस्त चूहों को आई3सी से भरपूर डाइट खिलाया गया तो उनमें ट्यूमर की संख्या में कमी देखी गई। एक अन्य शोध के अनुसार ब्रोकली खाने से कोलोन, स्तन कैंसर और लंग कैंसर होने के खतरे कम हो जाते हैं।

इन 8 शाकाहारी चीजों से नहीं होगी शरीर में प्रोटीन की कमी, बनेगी अच्छी फिटनेस!

हमारे शरीर के लिए प्रोटीन कितना ज्यादा जरूरी है इसके बारे में सभी जानते हैं। इससे न केवल मांसपेशियों की अच्छी ग्रोथ होती है बल्कि वजन भी कंट्रोल में रहता है। ज्यादातर लोग सबसे अच्छे प्रोटीन स्त्रोत में मांस-मछली और अंडों के बारे में ही जानते हैं। वहीं, अच्छी फिटनेस बनाने वालों को अधिक प्रोटिन की जरूरत होती है। ऐसे में समस्या उन लोगों के लिए बढ़ जाती है जो शाकाहारी होते हैं और उन्हें पनीर के अलावा किसी अन्य प्रोटीन स्त्रोत के बारे में जानकारी नहीं है। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं जो शाकाहारी प्रोटीन युक्त आहारों के बारे में नहीं जानते हैं और अच्छी फिटनेस बनाना चाहते हैं तो आपको निराश होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको शाकाहारी प्रोटीन स्त्रोत के बारे में बताने जा रहे हैं, आइए जानते हैं...

इसे भी पढ़ें: शतावरी नहीं है किसी चमत्कारी बूटी से कम, इसके फायदे जानकर आप भी रह जाएंगे हैरान!

चिया बीज

फिटनेस एक्सपर्ट्स का मानना है कि चिया के बीज मांसपेशियों के लिए काफी अच्छे साबित होते हैं। इसमें कम कैलोरी होने के अलावा फाइबर, प्रोटीन और ओमेगा 3 फैटी एसिड की मात्रा ज्यादा होती है। ऐसे में प्रोटीन पाने के लिए आप अपने आहारों में चिया बीज को शामिल कर सकते हैं। इसे आप पानी या दूध में भिगोकर सेवन कर सकते हैं।

दाल

कई प्रकार की दाल होती हैं, इनमें प्रोटीन की अच्छी मात्रा होने के साथ आयरन, फाइबर और पोटेशियम मौजूद होता है। इसलिए आपको रोजाना अपने आहार में दाल को भी शामिल करना चाहिए। अगर आप रोजाना आधा कप पकी हुई दाल का सेवन करेंगे तो इससे आपको 9 ग्राम प्रोटीन प्राप्त होगा।

चने

काबुली चने को कई तरह से खाया जा सकता है। इसमें प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है। इसे आप भीगोकर, सलाद, करी और भुनकर भी सेवन कर सकते हैं। ये खाने में स्वादिष्ट होने के साथ ताकत से भरपूर्ण भी है। अगर आप 150 ग्राम छोले का सेवन करते हैं तो आपको 10/7 ग्राम प्रोटीन मिलता है।

टोफू

टोफू भी प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत माना जाता है। फिटनेस एक्सपर्ट्स का मानना है कि टोफू का सेवन करने से शरीर को हर जरूरी अमीनो एसिड प्राप्त होते हैं। टोफू को स्वादिष्ट बनाने के लिए इसमें मसाले मिलाए जा सकते हैं। इसके प्रति 100 ग्राम में 10-19 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है।

ग्रीक योगर्ट

फिटनेस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ग्रीक योगर्ट प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत होता है। इसलिए इसे भी आप अपने आहारों में शामिल कर सकते हैं। ग्रीक योगर्ट के 100 ग्राम में प्रटीन 10 ग्राम की मात्रा होता है।

बादाम

बादाम जिस तरह से दिमाग को तेज बनाने में मदद करता है, ठीक वैसे ही ये मांसपेशियों के लिए भी अच्छा रहता है। इसमें प्रोटीन और विटामिन ई पाया जाता है, जो एक अच्छा स्वस्थ स्त्रोत है। अगर आप 1/2 कप बादाम का सेवन करते हैं तो आपको करीब 16.5 ग्राम प्रोटीन प्राप्त होता है।

इसे भी पढ़ें: भूलकर भी न करें दूध के साथ इन चीजों का सेवन, सेहत को होगा नुकसान!

मूंगफली

छोटी मूंगफली के बीज का सेवन करना शरीर के लिए अच्छा रहता है। इसमें प्रोटीन और हेल्दी फैट होता है। अगर आप पीनट बटर का सेवन करते हैं तो ये भी प्रोटीन का उच्च सोर्स माना जाता है। आप मूंगफली को स्नैक की तरह खा सकते हैं। इसके आधे कप का सेवन करने से आपको 20.5 ग्राम प्रोटीन मिलता है। वहीं, पीनट बटर को ब्रेड या रोटी के साथ सेवन कर सकते हैं। एक चम्मच पीनट बटर में 8 ग्राम प्रोटीन होता है।

क्विनोआ

क्विनोआ भी एक अच्छा प्रोटीन स्त्रोत माना जाता है। इसके प्रति कप में करीब 8 ग्राम प्रोटीन होता है। इसे कई तरह से सेवन किया जा सकता है। आप चाहें तो सलाद या फिर चावल में क्विनोआ को शामिल कर सकते हैं। इसके प्रति 100 ग्राम में 4/7 ग्राम प्रोटीन की मात्रा होती है।

तमिल संगीत वीडियो में नजर आएंगी गौरी किशन और अनघा

■ चेन्नई (आईएएनएस)।

गौरी जीके या '96' की मशहूर गौरी किशन और 'डिक्कीलूना' की अनघा ने 'मगीझिनी' नामक एक संगीत वीडियो के लिए हाथ मिलाया है, जो समलैंगिक, गे, उभयलिंगी, ट्रांसजेंडर (एलजीबीटी) के बारे में है। 'मगीझिनी' में गौरी और अनघा समलैंगिकों की भूमिका में हैं। वे अपने परिवार को समझाने के अपने प्रयासों में कैसे सफल होती हैं, इस रिश्ते को संगीत वीडियो के माध्यम से दिखाया गया है, जिसे छह दिनों में तैयार किया गया है। वीजी बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित और निर्देशित और ट्रेंडिंग एंटरटेनमेंट और कौस्तुभा मीडिया

वर्क्स द्वारा निर्मित, 'मगीझिनी' सारेगामा ओरिजिनल्स द्वारा 22 नवंबर को रिलीज होगी। निर्देशक बालासुब्रमण्यम वर्तमान में अजय ज्ञानमुथु द्वारा अभिनीत विक्रम-स्टारर 'कोबरा' में सह-निर्देशक के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मगीझिनी' के पीछे का विचार समाज को एलजीबीटी के बारे में समझाना है। पहली बार, हमने इस परियोजना के लिए एनामॉर्फिक लेंस का उपयोग किया है। पूरी टीम की भागीदारी और समर्थन के लिए संगीत वीडियो ने वास्तव में अच्छी तरह से आकार लिया है। 'मगीझिनी' के लिए संगीत गोविंद वसंता का है, गीत माधन कार्की के हैं और कीर्तना वैद्यनाथन गायक हैं। नृत्य कोरियोग्राफी विश्वकिरण द्वारा की गई है। बालासुब्रमण्यम ने कहा, विश्वकिरन की कोरियोग्राफी एक और हाइलाइट होगी। अरुण कृष्णा के छायांकन का जादू है। मैं इसे नियंत्रित करने के लिए ट्रेंडिंग एंटरटेनमेंट और कौस्तुभा मीडिया वर्क्स को ईमानदारी से धन्यवाद देता हूं। मुझे बहुत खुशी है कि सारेगामा ओरिजिनल्स द्वारा 'मगीझिनी' रिलीज हो रही है।

कैसे तय करते हैं कि किस पर भरोसा करें और क्या मानें?

लंदन (द कन्वरसेशन)। ऐसा लगता है कि हम गलत जानकारियों के दौर में जी रहे हैं। कई प्रसारणकर्ता और सोशल मीडिया सेलिब्रिटी विज्ञान एवं डेटा के बारे में सार्वजनिक तौर पर अपने दर्शकों को गलत तथ्य या गलत व्याख्या बताते हैं। इनमें से कई दर्शक, जो सुनना चाहते हैं यदि वह उन्हें बताया जा रहा हो तो उन्हें इस बात की परवाह तक नहीं होती कि उन्हें दी जा रही जानकारी सही है या गलत।

स्वहित से होता है जुड़ा

गलत सूचनाओं का प्रसार लोगों के अपने ज्ञान और फैसले पर अत्यधिक भरोसे के कारण होता है। कई मामलों में यह स्वहित से जुड़ा होता है। हममें से कई लोगों की विरोधाभासी मान्यताएं होती हैं। हो सकता है कि हम ऐसा विश्वास करते हों कि मौत की सजा से अपराध पर लगाम लगती है या न्यूनतम वेतन बढ़ाने से बेरोजगारी कम होती हो या कारोबारी कर बढ़ाने से नवोन्मेष में कमी आती हो। यह निष्कर्ष डैनियल रीड, प्रोफेसर ऑफ बिहेवियरल साइंस, वारविक बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक के एक अध्ययन में सामने आया है।

साक्ष्य नहीं होते

हो सकता है कि हम सोचते हों कि महिलाओं का गणित पुरुषों के मुकाबले कम अच्छा होता है या फिर कोई यह भी मान सकता है कि धरती चपटी है। इनमें से कई मान्यताओं पर हम बहुत ही मजबूती से भरोसा करते हैं लेकिन जब भी हम इन मान्यताओं को तार्किक रूप से सही साबित करने की कोशिश करते हैं तो पाते हैं कि हमारे पास इसके पक्ष में साक्ष्य तो हैं ही नहीं।

डनिंग-क्रुगर

इस तरह के लोगों के बारे में कहा जाता है कि उन पर 'डनिंग-क्रुगर' प्रभाव है। इसका मुख्य रूप से मतलब यह है कि किसी व्यक्ति को किसी बात पर बहुत अधिक भरोसा है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह सही ही है। अत्यधिक आत्मविश्वास से भरे लेकिन इसे लेकर गलत लोगों में यह आत्मविश्वास उनकी अनभिज्ञता के कारण नहीं होता बल्कि इसलिए होता है क्योंकि वे हर चीज के बारे में स्वाभाविक रूप से आश्वस्त होते हैं। कुछ अनुसंधानकर्ता इसे उनका अहंकार बताते हैं।

साक्ष्यों की परवाह किये बगैर उसी बात पर विश्वास जिस पर करना चाहते हैं

विकल्प मौजूद होने की स्थिति में हमारी मान्यताएं किस तरह तय होती हैं? वैज्ञानिक साक्ष्य इसमें मददगार हो सकते हैं लेकिन फिर भी हम उसी बात पर विश्वास करते हैं जिस पर हम विश्वास करना चाहते हैं। कई बार जब हमें यह पता चलता है कि किसी मान्यता विशेष का समर्थन 'हमारी' ओर का व्यक्ति कर रहा है तो उस मान्यता को समर्थन देने के लिए यही पर्याप्त होता है।

ऐसे कई ताजा विवादों में यह बात सामने आई है। फिर चाहे कोविड टीके लगवाना हो या मास्क जरूरी होने की बात

हो या फिर परमाणु ऊर्जा को पर्यावरण के लिए अच्छा मानने की बात। हम अपने आदर्शों और मार्गदर्शकों की ओर देखते हैं और उनकी बात पर अमल करते हैं। हम उन लोगों के भी पीछे चलने लगते हैं जो अति आत्मविश्वास से भरे हैं जबकि विश्वास सही आकलन नहीं करता।

इसी तरह जानबूझकर गलत सूचनाएं प्रसारित करने वाले जानेमाने प्रसारणकर्ता, सोशल मीडिया सेलिब्रिटी और विषय विशेषज्ञ भी इस मामले में किसी से अलग नहीं हैं। महामारी के दौरान हमने स्वीकार्य वैज्ञानिक सोच को माना, लेकिन संभवतः ऐसी भी परिस्थितियां रहीं होंगी जहां हमने गलत निर्णयों, विचारों या निजी लाभ पर आधारित धारणाएं मानी हों।

सर्दी के सितम से बचाएंगे ये अचूक उपाय

डॉ. रजनी पोरवाल
श्रीनाथ चिकित्सालय की कंसल्टेंट नेचुरोपैथ

■ कानपुर (एसएनबी)।

कुछ लोग गर्मी के मौसम में भी रोज नहीं नहाते हैं, उन्हें ठंड ज्यादा लगती है, नहाने से उनकी तबीयत बिगड़ जाती है। सर्दी में तो बढ़ती ठंड उनके लिए मुसीबत बन जाती है। ऐसी विशेष परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए देश की सुप्रसिद्ध चिकित्सक व श्रीनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय भगवतदास घाट सिविल लाइंस कानपुर की मुख्य चिकित्सक डॉ. रजनी पोरवाल ने बहुत ही प्रमाणित और लाभकारी उपाय बताए हैं।

'गर्म पानी से नहाने पर भी तबीयत खराब'

सामान्य सर्दी में ठंड बहुत ज्यादा महसूस होने पर या सर्दी के मौसम में कई-कई दिन तक नहाने की इच्छा न हो और नहाने पर जुकाम और खांसी हो जाए, सांस फूलने लगे और तबीयत खराब हो जाए, ऐसी स्थिति वृद्धावस्था में देखने को मिलती है। लेकिन कुछ छोटे बच्चों के साथ भी इस प्रकार की तकलीफ सामने आती है। इस तकलीफ से बचाव के लिए अजवाइन 10 ग्राम, मेथी के बीज 10 ग्राम, 10 ग्राम काली मिर्च, 10 ग्राम लौंग, 20 ग्राम सेंधा नमक को मिक्सी में मैदा की तरह बारीक पीस लें। 50 ग्राम अदरक को महीन पीसकर इसमें डेढ़ लीटर पानी मिलाएं और इसे अच्छी तरह उबालें, जब पानी आधा रह जाए, तब इसे छानकर शीशी में रख लें। 10 से 15 मिलीलीटर यह सिरप आधा कप उबलते गर्म पानी में डालकर गुनगुना-गुनगुना चाय की तरह पीने से शरीर के अंदर की ठंड कम हो जाती है। जिन्हें ज्यादा ठंड लगती है, उनका शरीर अंदर से गर्माहट महसूस करता है। इम्यूनिटी बढ़ती है और जल्दी सर्दी, जुकाम, बुखार नहीं होता।

'आयुर्वेदिक तेल लगाइए'

10 ग्राम अजवाइन, 25 ग्राम लहसुन का महीन पेस्ट को 100 ग्राम कड़वे तेल में धीमी आंच पर खूब उबालें, जब अजवाइन और लहसुन जलने लगें तो इसे उतारकर ठंडा करें। अब इसमें 5 ग्राम असली लौंग का तेल, 5 ग्राम कपूर को बारीक पीसकर मिला दें और कांच की शीशी में बंदकर रख लीजिए। यह चमत्कारी तेल है। रात में भोजन करने के बाद सोने से पहले यह तेल बूढ़े लोगों को चेहरे से लेकर पैर के अंगूठे तक पूरे शरीर में हल्के-हल्के हाथ से लगा लेना चाहिए। सुबह भी स्नान आदि करने के बाद पूरे शरीर में लगाकर आधे घंटे के लिए कंबल ओढ़ कर लेट जाएं। यह उन लोगों के लिए बहुत ही अच्छा है, जो हमेशा ठंड से कांपते रहते हैं। दो-तीन स्वेटर पहनने पर भी उनकी ठंड दूर नहीं होती ।

छोटे बच्चे जिनकी पसली चलती है या जिन्हें जल्दी-जल्दी सर्दी-जुकाम हो जाता है। ऐसे बच्चों के भी पूरे शरीर में इस तेल को लगाना चाहिए। यह ध्यान रखें कि यह तेल

लगाने के बाद पानी शरीर पर न लगे और कम से कम एक घंटा घर में कमरे से बाहर खुली हवा वाली जगह पर न जाएं, न ही घर के बाहर सर्दी में निकलें। छोटे बच्चों को पीठ, छाती और पसलियों में यह तेल दिन में तीन-चार बार लगाया जा सकता है। ध्यान रखिएगा यह तेल 2 वर्ष से कम आयु के बच्चों को चिकित्सक से परामर्श करने के बाद ही लगाएं।

'प्राणायाम न भूलें'

सूर्यभेदी प्राणायाम शीतल शरीर में गर्मी और ऊर्जा का संचार करने वाला सबसे सशक्त प्राणायाम माना जाता है। बूढ़े लोगों को प्रातःकाल 10 मिनट तक सूर्यभेदी प्राणायाम का अभ्यास जरूर करना चाहिए। अगर सायंकाल 5 से 10 मिनट तक सूर्यभेदी प्राणायाम का पुनः अभ्यास कर लिया जाए तो सोने में सुहागा है। ध्यान रखिएगा कि वृद्ध लोग प्राणायाम करने के लिए खुली जगह की तलाश में ठंड के मौसम में पार्क या खुले स्थानों पर न जाकर घर पर ही उचित स्थान पर इसका अभ्यास करें। सूर्यभेदी प्राणायाम के अलावा कपालभाति और भस्त्रिका प्राणायाम भी ठंड से बचाव के लिए परम हितकारी प्राणायाम हैं, जो कायाकल्प करने की शक्ति रखते हैं।

'भोजन पर भी ध्यान दें'

खाना के साथ दही, मट्ठा, चावल या बादी प्रकृति के खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। बादी प्रकृति के खाद्य पदार्थ कफ में वृद्धि करते हैं, जिससे ठंड ज्यादा लगने लगती है। भोजन के साथ नींबू, अदरक, लहसुन का प्रयोग यथोचित मात्रा में जरूर करना चाहिए।

दूध में चार-पांच पत्ती केसर, हल्दी, काली मिर्च और छोटी पीपल के चूर्ण को डालकर उसे अच्छी तरह खौला कर सेवन करना भी हितकारी है। नया कफ का बनना कम हो जाता है और श्वांस नली में चिपका हुआ दुर्गंध वाला पुराना पीला कफ आसानी से बाहर निकल जाता है, जिससे सांस लेने में सहजता हो जाती है और वृद्धावस्था में जो छाती में भारीपन का एहसास होता है, वह भी पूरी तरह ठीक हो जाता है।

संगीत कार्यक्रम रद्द करने की जस्टिन बीबर से बढ़ रही है मांग

खशोगी की मंगेतर ने जस्टिन बीबर से एफ1 कार्यक्रम रद्द करने का किया आग्रह

दुबई (एपी)। पॉप स्टार जस्टिन बीबर को अगले महीने सऊदी अरब में अपने संगीत कार्यक्रम को रद्द करने के लिए बढ़ती अपीलों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से एक आग्रह मारे गए सऊदी आलोचक जमाल खशोगी की मंगेतर की ओर से भी किया गया है जो उन लोगों के समूह में शामिल हो गई जिन्होंने बीबर से देश की फॉर्मूला वन रेस में प्रस्तुति नहीं देने का आग्रह किया है।

द वाशिंगटन पोस्ट द्वारा प्रकाशित एक खुले पत्र में, हेटिस केंगिज़ ने कनाडाई मेगास्टार से आग्रह किया कि वह 'दुनिया को एक शक्तिशाली संदेश भेजने के लिए जेद्दाह के लाल सागर शहर में अपनी पांच दिसंबर की प्रस्तुति को रद्द कर दें कि आपके नाम और प्रतिभा का उपयोग एक ऐसे शासन की प्रतिष्ठा बहाल करने के लिए नहीं किया जाएगा जो अपने आलोचकों को मार डालता है।'

बीबर का संगीत कार्यक्रम जेद्दाह में आयोजित दौड़ के लिए निर्धारित सबसे प्रमुख प्रस्तुति के रूप में चर्चित है, हालांकि अन्य एफ1 संगीत कार्यक्रमों में रैपर एएसएपी रॉकी, डीजे डेविड गुएटा और टिएस्टो और गायक जेसन डेरुलो शामिल हैं। यह पहली बार नहीं है जब किसी पॉप स्टार को सऊदी अरब में संगीत कार्यक्रम से हटने के लिए दबाव का सामना करना पड़ा है। अक्टूबर 2018 में तुर्की में सऊदी एजेंटों द्वारा खशोगी की हत्या के बाद सऊदी अरब में मंच पर आने वालों में मारिया कैरी सबसे बड़ा नाम था। उन्होंने कार्यक्रम का बहिष्कार करने वाली अपीलों को खारिज कर दिया था। हालांकि, जनता के दबाव ने, 2019 में निकी मिनाज को जेद्दाह में एक संगीत कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति को रद्द करने के लिए मजबूर किया था जिन्होंने उस समय कहा था कि वह महिलाओं के अधिकारों, समलैंगिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए समर्थन दिखाना चाहती थीं।

अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का शुभारंभ

■ पणजी (भाषा)।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के भारतीय पेनोरमा खंड की रविवार को यहां पर शुरुआत हुई। इसमें फीचर फिल्म श्रेणी में एमी बरुआ की 'सेमखोर' का प्रदर्शन किया गया और गैर फीचर फिल्म की श्रेणी में राजीव प्रकाश की 'वेद द विजनरी' दिखाई गई।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस खंड की शुरुआत की। इसमें कुल 25 फीचर फिल्म और 20 गैर-फीचर फिल्म दिखाई जाएंगी। अभिनेत्री एवं फिल्मकार एमी बरुआ की 'सेमखोर' दिमासा भाषी पहली फिल्म है। यह सेमखोर में समसा समुदाय से संबंधित फिल्म है। इसके लिए बरुआ ने असम के दिमासा समुदाय के बोलने के लहजे को विशेष तौर पर सीखा।

गोवा के पणजी में चल रहे 52वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में युवा फिल्म निर्माता को सम्मानित करते सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर।

राजीव प्रकाश की 'वेद द विजनरी' अंग्रेजी भाषा की फिल्म है। यह फिल्म फिल्मकार वेद प्रकाश के जीवन और 1939 से 1975 के बीच न्यूजरील फिल्मांकन की उनकी यात्रा पर आधारित है जिनके उल्लेखनीय कामों में, जनवरी 1948 में महात्मा गांधी की अंत्येष्टि की न्यूज कवरेज शामिल है जिसे 1949 में ब्रिटिश ऐकेडमी अवॉर्ड्स के लिए नामित किया गया था। ठाकुर ने उद्घाटन भाषण में, आईएफएफआई में आए लोगों से इस महोत्सव को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव देने का अनुरोध किया। तमिल फिल्म 'कूझांगल' फीचर फिल्म श्रेणी में दिखाई जाएगी। यह फिल्म 2022 के ऐकेडमी अवॉर्ड्स में अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में भारत की ओर से भेजी गई है। आईएफएफआई का 52वां संस्करण 28 नवम्बर तक चलेगा।

प्रतीक ने 'गैंगिस्तान' के किरदार के बारे में बताया

■ मुंबई (आईएएनएस)।

'स्कैम 1992: द हर्षद मेहता स्टोरी' में 'हर्षद मेहता' की भूमिका निभाने वाले अभिनेता प्रतीक गांधी अब हिंदी ऑडियो शो 'गैंगिस्तान' में पत्रकार आशु पटेल की भूमिका निभा रहे हैं।

यह कहानी गुजराती लेखक और पत्रकार आशु पटेल और मुंबई अंडरवर्ल्ड के बारे में उनकी जांच और शोध कार्य के इर्द-गिर्द घूमती है। 'गैंगिस्तान' के बारे में बात करते हुए प्रतीक का कहना है कि यह उनका पहला ऑडियो शो है और वह आशु पटेल को कई सालों से जानते हैं, इसलिए इस किरदार को पर्दे पर लाना इतना मुश्किल नहीं है।

उन्होंने कहा, 'आशु की भूमिका निभाना मेरे लिए थोड़ा आसान रहा क्योंकि मैं आशु पटेल को कई सालों से जानता हूं। मैं स्वाभाविक रूप से नायक की महत्वाकांक्षा से संबंधित होने में सक्षम था और इस चुनौती का मैंने पूरी तरह से आनंद लिया। भूमिका निभाने के लिए केवल मेरी आवाज का उपयोग किया गया।' 'गैंगिस्तान' की कहानी 1960, 1980 और वर्तमान जैसे विभिन्न युगों में फैली हुई है। यह मुंबई के गिरोहों, उनके संचालन और लोगों पर प्रभाव के बारे में कुछ रोचक तथ्य और कहानियां सामने लाता है। 48-एपिसोड की सीरीज में प्रतीक गांधी, सैयामी खेर और दयाशंकर पांडे मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'गैंगिस्तान' का निर्देशन सिद्धांत पिंटो ने किया है, जिसकी कहानी लेखक और रचनात्मक निर्माता हीर खांट आशु पटेल की है।

डेल्टा कोरोना वेरिएंट का पौधा आधारित एंटीवायरल उपचार

■ लंदन (आईएएनएस)।

पौधे पर आधारित एक एंटीवायरल उपचार कोरोनावायरस के सभी स्ट्रेन यहां तक की अत्यधिक संक्रामक डेल्टा वेरिएंट को अवरुद्ध करने में प्रभावी पाया गया।

यूके में नॉटिंघम विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने पाया कि डेल्टा वेरिएंट, अन्य स्ट्रेन की तुलना में यह कोशिकाओं में जल्दी जुड़कर पास की कोशिकाओं को संक्रमित करता है। दो अलग-अलग सार्स-सीओवी-2 वेरिएंट के साथ सह-संक्रमण में, डेल्टा वेरिएंट ने अपने सह-संक्रमित भागीदारों को भी बढ़ाया है।

वैज्ञानिकों के एक ग्रुप ने खोजी एक प्राकृतिक एंटीवायरल दवा

अध्ययन से यह भी पता चला है कि हाल ही में वैज्ञानिकों के एक ही समूह द्वारा मूल सार्स-सीओवी-2 सहित अन्य वायरस को अवरुद्ध करने के लिए वैज्ञानिकों के एक ही ग्रुप द्वारा खोजी गई एक नई प्राकृतिक एंटीवायरल दवा, जिसे थापसीगारगिन (टीजी) कहा जाता है, सभी नए सार्स-सीओवी-2 जिसमें डेल्टा वेरिएंट भी शामिल है, उसके इलाज में उतना ही प्रभावी है।

अपने पिछले अध्ययनों में, टीम ने दिखाया कि पौधे से प्राप्त एंटीवायरल, छोटी खुराक पर सार्स-सीओवी-2 सहित तीन प्रमुख प्रकार के मानव श्वसन वायरस के खिलाफ एक अत्यधिक प्रभावी ब्रॉड-स्पेक्ट्रम होस्ट-केंद्रित एंटीवायरल जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को बढ़ाता है। जर्नल विरुलेंस में प्रकाशित इस नवीनतम अध्ययन में, टीम ने यह पता लगाने के लिए निर्धारित किया कि सार्स-सीओवी-2 के उभरते अल्फा, बीटा और डेल्टा वेरिएंट एक-दूसरे के सापेक्ष कोशिकाओं में एक प्रकार के संक्रमण के रूप में कितनी अच्छी तरह गुणा करने में सक्षम हैं। सह-संक्रमण- जहां कोशिकाएं एक ही समय में दो प्रकारों से संक्रमित होती हैं। टीम यह भी जानना चाहती थी कि टीजी इन उभरते हुए रूपों को रोकने में कितना प्रभावी था।

तीनों में से, डेल्टा वेरिएंट ने कोशिकाओं में गुणा करने की उच्चतम क्षमता दिखाई, और यह सीधे पड़ोसी कोशिकाओं में फैलने में सक्षम था। संक्रमण के 24 घंटे में इसकी प्रवर्धन दर अल्फा वेरिएंट की तुलना में चार गुना और बीटा वेरिएंट से नौ गुना ज्यादा थी। सह-संक्रमण में, डेल्टा वेरिएंट ने अपने सह-संक्रमित भागीदारों के गुणन को बढ़ाया।

इसके अलावा, अल्फा और डेल्टा या अल्फा और बीटा के साथ सह-संक्रमण ने गुणन तालमेल दिया, जहां कुल नए वायरस का उत्पादन संबंधित सिंगल वेरिएंट संक्रमणों के योग से अधिक था।

जुलाई में रिलीज होगी 'थैंक गॉड'

मुंबई (आईएएनएस)। अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह की फिल्म 'थैंक गॉड' अगले साल रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

फिल्म में नोरा फतेही एक विशेष भूमिका में दिखाई देंगी और श्रीलंकाई गायिका योहानी इस फिल्म से एक गायिका के रूप में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करेंगी। यह एक स्लाइस ऑफ लाइफ कॉमेडी है। निर्देशक इंद्र कुमार

90 के दशक की लोकप्रिय फिल्मों जैसे 'दिल', 'बेटा', 'इश्क', 'राजा' और अन्य के लिए जाने जाते हैं। उन्हें 2019 में आई फिल्म 'टोटल धमाल' के लिए भी जाना जाता है, जिसमें अन्य लोगों के साथ अजय देवगन भी थे। अब वह 'थैंक गॉड' के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह के साथ भी काम कर रहे हैं। 'थैंक गॉड' इंद्र कुमार द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म का प्रोडेक्शन टी-सीरीज और मारुति इंटरनेशनल ने किया है, फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, सुनीर खेतरपाल, दीपक मुकुट, आनंद पंडित और मार्कंड अधिकारी द्वारा किया गया है और यश शाह द्वारा ये फिल्म सह-निर्मित है। यह फिल्म 29 जुलाई 2022 को रिलीज होने वाली है।

'लीग ऑफ लीजेंड्स' की शूटिंग हुई शुरू

लॉस एंजिल्स (आईएएनएस)। नेटफ्लिक्स और रायट गेम्स ने पुष्टि करते हुए कहा कि 'आर्केन' का दूसरा सीजन, 'लीग ऑफ लीजेंड्स' आधारित एनिमेटेड सीरीज की शूटिंग शुरु हो चुकी है। 'वैराइटी' की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों कंपनियों ने शनिवार शाम (यू.एस. टाइम) एक फैन इवेंट के समापन पर यह घोषणा की। श्रृंखला के सह-निमार्ता क्रिश्चियन लिंके और एलेक्स यी ने एक बयान में कहा कि हम 'आर्केन' के पहले सीजन की सकारात्मक प्रतिक्रिया को लेकर खुश हैं । श्रृंखला के दूसरे सीजन के बारे में विवरण अभी भी गुप्त है, लेकिन हैली स्टेनफेल्ड, एला पूर्णेल और केटी लेउंग सभी को वी, जिंक्स और कैटिलिन किरमैन की अपनी-अपनी आवाज में पुरानी भूमिकाओं को फिर से प्रस्तुत करने की पुष्टि की गई है। 'आर्केन' का पहला सीजन 6 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर शुरू हुआ था। 'लीग' एस्पोर्ट्स के प्रमुख खिताबों में से एक है। राइट खेलों की स्थापना मार्क मेरिल और ब्रैंडन बेक ने की थी और इसका नेतृत्व सीईओ निकोलो लॉरेंट ने किया था। कंपनी के दुनिया भर में 2,500 से अधिक कर्मचारी हैं।

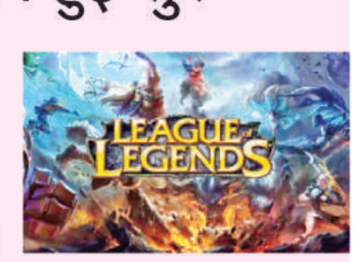

विपक्षी पार्टियों को प्रजातंत्र पर नहीं सिर्फ परिवार पर विश्वास : जेपी नड्डा

गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय बूथ सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को गोरखपुर पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पार्टी ने कहा कि मेरा ये सौभाग्य है कि मुझे श्रीकृष्ण और श्रीराम की भूमि पर आने का सौभाग्य मिला। पंडित बिस्मिल की शहादत को याद करते हुए मैं इस धरती को नमन करता हूं। महात्मा बुद्ध भी इसी भूमि से सत्य की खोज में निकले थे। यही वही गोरखपुर की धरती है। जब आप चुनाव में जाएंगे तो मतदाताओं के सामने छाती ठोक के कह सकेंगे कि हम उस पार्टी के कार्यकर्ता हैं जिसके नेता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी हैं।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि हमें गौरवान्वित होना चाहिए कि हम उस पार्टी के कार्यकर्ता हैं जहां साधारण सा कार्यकर्ता अध्यक्ष बन जाता है। मैं दावे के साथ कह कहता हूं कि यहां बैठे बूथ कार्यकर्ता कल प्रदेश अध्यक्ष बन सकते हैं। हमें प्रजातंत्र पर विश्वास है, लेकिन विपक्षी पार्टियां प्रजातंत्र पर नहीं सिर्फ परिवार पर विश्वास करती हैं। सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में ही एक साधारण कार्यकर्ता पार्टी को चलाता है, हमारे लिए राष्ट्रवाद सर्वोपरि है लेकिन उनके लिए वंशवाद के आगे कुछ नहीं। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां

वंशवाद को लेकर चलती हैं और हम राष्ट्रवाद को लेकर। विपक्षी पार्टियों में जो कुछ है, वो वंश के लिए हैं। हम लोग सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि क्या कारण है कि जब चुनाव आते हैं तो भाजपा महात्मा गांधी से लेकर पटेल को याद करती है और विपक्षी पार्टियों को पाकिस्तान और जिन्ना याद आने लगते हैं। उन्होंने कहा कि जब मोदी जी कह रहे थे कि सब लोग वैक्सीन लगवा लें तो कुछ लोग कह रहे थे कि ये मोदी जी की वैक्सीन है, ये बीजेपी की वैक्सीन है। अब किसकी वैक्सीन लगवा कर घूम रहे हैं, मोदी जी की ही वैक्सीन लगवानी पड़ी है। कुछ दिन बाद लाल टोपी भी केसरिया होने वाली है। बहुत लोग किसान नेता बनते हैं लेकिन अगर किसी ने किसानों के लिए कुछ किया है तो वह मोदी जी ने किया है। 2014 से पहले 20 हजार करोड़ का बजट होता था लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में आज एग्रीकल्चर का बजट 1 लाख 23 करोड़ का है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यही उत्तर प्रदेश था कि सूर्यास्त के बाद जो जहां होता था वह वहीं ठहर जाता था। बहू-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। जिसका जैसा मन आया उसने वैसा किया। लेकिन अब दरिंदे कोर्ट में जाकर अपील करते हैं कि मुझे जेल में डाल दो। ये परिवर्तन योगी जी लेकर आए हैं। इससे पहले क्षेत्रीय बूथ सम्मेलन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन के दौरान 1857 में शहीद बंधु सिंह ने अपनी शहादत इसी धरती पर दी थी, अनेक क्रांतिकारियों ने समय-समय पर इस अभियान को आगे बढ़ाया। यही वो धरती है जहां पंडित राम प्रसाद बिस्मिल ने भारत की स्वाधीनता के लिए अपनी शहादत दी थी, अपना बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि आप देख रहे होंगे एक-एक करके सभी समस्याओं का समाधान हो रहा है। यह वही प्रदेश है जहां माफिया और दंगाइयों का वर्चश्व रहता था। लेकिन गुंडे आज गुंडई भूल गए हैं, माफिया प्रदेश छोड़ गए हैं, उन्हें मालूम है कि अगर अराजकता की तो वसूली भी होगी।

जन्मदिन पर बोले मुलायम, परिवर्तन की क्रांति लाएगा सपा कार्यकर्ताओं का जोश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री और देश के रक्षामंत्री रहे समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव का सोमवार को जन्मदिन है। मुलायम सिंह का यह 83वां जन्मदिन है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में लखनऊ स्थित सपा प्रदेश कार्यालय में मुलायम सिंह का जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर मुलायम ने सभी नेताओं और कार्यकताओं को जन्मदिन मनाने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि नौजवानों में जोश और उत्साह दिखाई दे रहा है। यह जोश परिवर्तन की क्रांति लाएगा। समाजवादी पार्टी परिवर्तन की राजनीति कर रही है। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग परिवर्तन की राजनीति को कामयाब बनाएं। हम जनता के विश्वास पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि इसी तरह से सभी गरीबों का जन्मदिन मनाया जाए। आप लोग इतनी बड़ी संख्या में जन्मदिन मनाने आए हैं, आप लोगों का स्वागत है। बहुत-बहुत धन्यवाद और सबको

बधाई। जन्मदिन के मौके पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने पिता व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव का हाथ पकड़ कर केक कटवाया। इस अवसर पर पार्टी के प्रमुख महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव समेत तमाम बड़े नेता मौजूद थे। अखिलेश यादव और प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने शाल ओढ़ाकर मुलायम सिंह यादव को सम्मानित कर जन्मदिन की बधाई दी। नेताओं और कार्यकताओं ने सपा संरक्षक को पुष्पगुच्छ, बुके व उपहार देकर जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर 83 किलो लड्डू भी बांटे गए। इससे पहले मुलायम सिंह यादव के 82वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि देश की राजनीति में यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुलायम सिंह को बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 'उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव जी को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं।

एसटीएफ ने यूपी में 258 कछुए बरामद किए, तीन गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने अन्तरराज्यीय स्तर पर कछुओं की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन तस्करों को लखनऊ के इंदिरा नगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया और उनके पास से 258 कछुए बरामद किए। एसटीएफ मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार विशेष कार्यबल की टीम ने लखनऊ के मलिहाबाद थाना क्षेत्र के बख्तियार नगर निवासी रविंद्र कुमार, काकोरी निवासी सौरभ कश्यप और सुलतानपुर जिले के धरमइत्तेपुर निवासी अरमान अहमद को रविवार को अपराह्न करीब तीन बजे यहां इंदिरा नगर थाना क्षेत्र के मुंशी पुलिया मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया। तस्करों के कब्जे से पुलिस ने विभिन्न प्रजाति के 258 जिंदा कछुओं के अलावा एक अदद मोटरसाइकिल, 2460 रुपये नकद, तीन मोबाइल फोन और पैन कार्ड समेत कई चीजें बरामद कीं।

बयान के अनुसार गिरफ्तार तस्कर रविंद्र ने पूछताछ में बताया कि वे लोग पिछले कई वर्षों से इस तरह के कार्य में लिप्त थे और सुलतानपुर, बाराबंकी, रायबरेली, उन्नाव और बहराइच आदि जिलों में मछुआरों से संपर्क कर कछुओं को पकड़वाते थे और उन्हें छोटी मोटी रकम देकर उनसे कछुए खरीद लेते थे। बाद में इन कछुओं को वे ऊंचे दामों पर भोपाल, इंदौर, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता जैसे महानगरों में बेच देते। एसटीएफ के मुताबिक तीनों आरोपियों के खिलाफ अवध वन प्रभाग, लखनऊ के सिटी रेंज, कुकरैल में मामला दर्ज किया गया है।

लखनऊ में लापता पत्नी ने फोन पर दी बंधक होने की सूचना, दारोगा ने पति को लोकेशन देकर कहा-खुद ले आओ

लखनऊ। हैवत मऊ मवईया निवासी रामेश्वर प्रसाद की पत्नी श्रीमती रावत 20 अक्टूबर को दवा लेने के लिए घर से निकली थीं। इस दौरान संदिग्ध हालात में वह लापता हो गईं। काफी देर तक वापस नहीं आने पर घरवालों ने खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। रामेश्वर ने पत्नी की गुमशुदगी दर्ज कराई और कार्रवाई की मांग की।

आरोप है कि एल्डिको पुलिस चौकी पर तैनात दारोगा ने महिला की तलाश करने में रुचि नहीं दिखाई। पीड़ित के मुताबिक श्रीमति रावत ने बेटी शिखा को बताया था कि दवा लेकर वह थोड़ी में आ जाएगी। पांच दिन पहले अंजान नंबर से श्रीमति रावत का फोन आया। फोन पर चीख रही थी और बचा लेने की गुहार कर रही थीं। इसकी जानकारी जब पीड़ित ने दारोगा को दी तो उन्होंने रामेश्वर से

खुद पत्नी को जाकर बरामद करने की नसीहत दे डाली। पीड़ित ने अंजान नंबर पर फोन कर पूछताछ की तो आरोपित ने उसे बंद कर दिया। उधर, दारोगा ने अतरौली अलीगढ़ में महिला की लोकेशन होने की बात पीड़ित को बताई और जाकर उसे ले आने के लिए कहा। दारोगा का कहना है कि उनके पास समय नहीं है। पीड़ित ने पत्नी के साथ अनहोनी की आशंका जताई है। इंस्पेक्टर पीजीआइ धर्मपाल सिंह से जब इस प्रकरण के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जानकारी से इंकार किया। इंस्पेक्टर का कहना है कि मामले के बारे में पता कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस टीम भेजकर महिला को बरामद किया जाएगा। फिलहाल दारोगा की इस लापरवाही पर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं।

मुलायम सिंह का जन्मदिन आज सादगी से मनाएगी सपा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव का सोमवार को यहां सपा मुख्यालय में सादगी से जन्मदिन मनाया जाएगा। इस समारोह में मुलायम सिंह यादव, सपा प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत कई प्रमुख नेता शामिल होंगे।

समारोह में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव के भी शामिल होने की संभावना है। समाजवादी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि नेताजी (मुलायम सिंह यादव) का जन्मदिन सपा मुख्यालय में सादगी के साथ मनाया जाएगा और इसमें नेताजी तथा अखिलेश यादव भी शामिल होंगे। इटावा जिले के सैफई गांव में 22 नवंबर, 1939 को जन्मे मुलायम सिंह यादव ने शुरूआती जीवन एक शिक्षक के रूप में शुरू किया और 1967 में पहली बार विधानसभा के सदस्य चुने गए।

वह वर्ष 1977 में रामनरेश यादव के नेतृत्व वाली जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश सरकार में पहली बार मंत्री बने। वर्ष 1989 में वह पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने और 1996 में मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीतने के बाद संयुक्त मोर्चा की सरकार में वह रक्षा मंत्री भी बने। यादव 2003 से 2007 तक दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में मुलायम सिंह यादव ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने 1992 में समाजवादी पार्टी की स्थापना की।

हेलीकॉप्टर में राजस्थान से हाथरस पहुंची नई दुल्हन

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस के चंदपा क्षेत्र के गांव नगला खिरनी में एक व्यक्ति की बारात गांव में लौटी। बारात के साथ ही दूल्हा अपनी दुल्हन को हेलीकॉप्टर में लेकर आया। इसे लेकर पूरे गांव के साथ ही आसपास के गांव में कौतूहल का माहौल रहा। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। दूल्हा-दुल्हन और हेलीकॉप्टर को देखने के लिए वहां काफी भीड़ जुट गई थी। गांव में बनाए गए हेलीपैड पर हैलीकॉप्टर को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। सुरक्षा व्यवस्था को देखते तीन थानों की पुलिस सतर्क रही। नगला खिरनी निवासी बिजेंद्र सिंह उर्फ बंटी पुत्र महेन्द्र सिंह की शादी राजस्थान के भरतपुर के गांव पीपला की एक बेटी से हुई है। लड़की के पिता राजाराम जो कि पीपली गांव के सरपंच हैं, जिन्होंने अपनी पुत्री को हेलीकॉप्टर से विदा किया। गांव नगला खिरनी में दुल्हन हेलीकॉप्टर से पहुंची तो ग्रामीणों की भीड़ लग गई। परिवार के लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं था तो वहीं पुलिस भी मौजूद थी।

अंबेडकरनगर में युवक ने एसपी दफ्तर में पिया जहर अवैध संबंधों के शक में पत्नी से चल रहा था विवाद

अंबेडकरनगर। घरेलू कलह से परेशान युवक ने एसपी कार्यालय में पहुंचकर कीटनाशक पीकर आत्महत्या की कोशिश की। हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां से चिकित्सकों ने लखनऊ रेफर कर दिया। डीएम सैमुअल पॉल और एसपी आलोक प्रियदर्शी ने अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली। युवक अहिरौली थाने के चतुरीपट्टी गांव के मजरे डिहवा का रहने वाला है। उक्त गांव का सुशील कुमार पांडेय लंबे समय से गुजरात प्रांत में नौकरी करता रहा। दीपावली के एक-दो दिन पूर्व ही वह गांव लौटा था। अपनी पत्नी का किसी दूसरे से संबंध होने को लेकर उसे शक था। इस बात को लेकर वह पत्नी के फोन खंगालता और बातें सुनता था। इस पर दोनों के बीच तकरार होती रहती थी। इससे आहत होकर उसकी पत्नी अपने मायके मिझौड़ा के पास रासलपारा गांव चली गई, तभी से सुशील अवसाद में चला गया। सोमवार को वह अपनी पत्नी पर कई आरोप लगाते हुए तलाक दिलाने का प्रार्थना पत्र लेकर एसपी कार्यालय पहुंचा था। यहां एसपी से मिलने में नाकाम होने पर उसने पुलिसकर्मियों के सामने कीटनाशक पीना शुरू कर दिया। यह देख कुछ पुलिसकर्मियों ने उसके हाथ से शीशी को गिरा दिया। हालांकि तब तक वह काफी कीटनाशक पी चुका था। तत्काल एसपी को भी घटना से अवगत कराया गया। एसपी ने उसे अंदर बुलाया और पूछताछ शुरू की, तब तक उसकी हालत बिगड़ने लगी। इसके पास से कीटनाशक की शीशी बरामद हुई। पुलिस कर्मी उसे जिला अस्पताल लेकर भागे। इनके पीछे डीएम एवं एसपी भी अस्पताल पहुंचे और उसे भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया। एसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि घरेलू कलह से परेशान युवक कीटनाशक पीकर यहां आया था। पुलिसकर्मियों ने उसे झूमते और लड़खड़ाते देखा। पूछताछ में उसने जहर पीना बताया तो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह पहली बार शिकायत लेकर आया था। ससुरालीजनों ने पूछताछ में बताया कि इसके शक और उत्पीड़न से परेशान होकर पत्नी मायके लौटी है।

प्रदूषण फैलाने पर फैक्ट्री पर 10 लाख रुपये का जुर्माना

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीसीबी) की एक टीम ने यहां की एक औद्योगिक इकाई (फैक्ट्री) पर प्रदूषण रोधी नियमों का उल्लंघन करने पर 10 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि कई फैक्ट्रियों की जांच के दौरान यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी अंकित सिंह के नेतृत्व में टीम ने बांगर गांव में एक औद्योगिक इकाई पर 10 लाख रुपये, भवन निर्माण सामग्री को खुले में रखने के लिए दो लोगों पर 50-50 हजार रुपये, गुड़ बनाने की इकाई पर 25,000 रुपये और कूड़ा जलाने पर एक शख्स पर 5,000 रुपये का का जुमार्ना लगाया। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार जिले में वायु प्रदूषण फैलाने के लिए कुल 11 लाख, पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। इस बीच, अधिकारियों ने कहा कि सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है और वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एंटी-स्मॉग गन भी लगाई गई हैं।

प्रियंका का एक और चुनावी वादा, यूपी में सरकार बनी तो लड़कियों के लिए हर जिले में खुलेंगे दक्षता विद्यालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का आधी आबादी को साधने का अभियान जारी है। चुनाव में महिलाओं को 40 फीसद टिकट देने के एलान के बाद से कांग्रेस महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा लगातार घोषणाएं कर रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को उन्होंने कहा कि सरकार बनने पर झलकारी बाई जी जैसी वीरांगनाओं के नाम पर लड़कियों के लिए हर जिले में दक्षता विद्यालय खोले जाएंगे। उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को ट्वीट कर वीरांगना झलकारी बाई को नमन किया। उन्होंने आगे लिखा, 'कांग्रेस पार्टी ने निर्णय लिया है कि उत्तर प्रदेश में सरकार बनने पर झलकारी बाई जी जैसी वीरांगनाओं के नाम पर लड़कियों के लिए हर जिले में दक्षता विद्यालय खोले जाएंगे। दक्षता विद्यालयों में लड़कियों को कौशल विकास के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। कांग्रेस पार्टी ने निर्णय लिया है कि सरकार बनने पर झलकारी बाई जी जैसी वीरांगनाओं के नाम पर लड़कियों के लिए हर ज़िले में दक्षता विद्यालय खोले जाएंगे। दक्षता विद्यालयों में लड़कियों को कौशल विकास के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। बता दें कि विधानसभा

चुनाव में महिलाओं को पार्टी की ओर से 40 फीसद टिकट देने का वादा करने वाली कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में सत्ता में आने पर महिलाओं को सरकारी पदों में भी 40 फीसद आरक्षण देगी। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पिछले दिनों इसकी घोषणा करते हुए कहा था कि कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं के लिए अलग से घोषणा पत्र तैयार किया है।

नोएडा में आरएफपी को शासन की मंजूरी मिली

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर के यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र में प्रस्तावित फिल्म सिटी के बोली दस्तावेज के अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) को शासन की मंजूरी मिल गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुंबई-हैदराबाद से भी बड़ी इस फिल्म सिटी की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर शासन पहले ही मुहर लगा चुका है। अधिकारियों ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अब शासन की मंजूरी के बाद यमुना प्राधिकरण ने निविदा जारी कर दी है। बोली दस्तावेज सोमवार को यमुना प्राधिकरण के पोर्टल और एनआईसी की वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिए जाएंगे। इन्हें 23 नवंबर से अपलोड कर आवेदन किया जा सकेगा। अधिकारियों ने बताया कि आठ दिसंबर को दोपहर ढाई बजे बोली की प्रक्रिया होगी। इसके बाद नए साल में निर्माण शुरू हो जाएगा। दस हजार करोड़ रुपये की परियोजना पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर तीन चरणों में विकसित होगी।

किन्नर कल्याण की दिशा में जो कदम योगी ने उठाया, उससे सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए

उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर प्रदेश में किन्नर कल्याण बोर्ड गठित कर उसके लिए किन्नर सदस्य नामित किए हैं। सरकार चाहे तो किन्नर समाज को प्रदेश के अंचलों और आदिवासी लोक नृत्य सिखा कर प्रदेश की लुप्त होती कला को जीवित कर सकती है। प्रदेश के कई किन्नर इन कलाओं का सीखकर पद्म पुरस्कार पाने वाले मजम्मा जोगाठी की तरह सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश में किन्नर कल्याण बोर्ड के गठन का उद्देश्य समाज के विकास की मुख्यधारा से वंचित किन्नरों को आगे लाने की जद्दोजहद है। सरकार ने सोनम चिश्ती को इस बोर्ड का उपाध्यक्ष बनाया है। उन्हें राज्यमंत्री का दर्जा दिया है। गठित किन्नर कल्याण बोर्ड में इनके अलावा चार किन्नर सदस्य पद के लिए प्रयागराज की कौशल्या नन्द गिरी उर्फ टीना मां, गोरखपुर की किरन बाबा, जौनपुर की मधु उर्फ काजल व कासगंज की मोहम्मद आरिफ पूजा किन्नर शामिल हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश में कहा गया है कि बोर्ड किन्नरों की आवश्यकताओं, मुद्दों व समस्याओं पर काम करते हुए नीति व संस्थागत सुधारों के लिए सरकार को सुझाव देगा। बोर्ड के अध्यक्ष समाज कल्याण मंत्री होंगे। जबकि मुख्यमंत्री द्वारा नामित किन्नर उपाध्यक्ष होगा। समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव संयोजक होंगे। किन्नर संबंधी विभाग के अधिकारियों के अनावा पांच किन्नर व एनजीओ के प्रतिनिधियों को मंत्री नामित करेंगे।

गैर-आधिकारिक सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्षों होगा। बोर्ड का सदस्य सचिव, निदेशक समाज कल्याण होगा। बोर्ड को तीन महीने में बैठक करना जरूरी होगा। विभागीय प्रमुख सचिव के. रविन्द्र नायक ने बताया कि सभी के नामित होते ही बोर्ड की बैठक होगी। बोर्ड का काम किन्नर नीति को विभागों में लागू करने के साथ ही किन्नरों का शैक्षिक, सामाजिक व आर्थिक विकास करने, समानता व समता के लिए दिशा-निर्देश जारी कर उनका क्रियान्वयन कराने तथा जिला स्तरीय समिति या किन्नर सहायता इकाई के प्रकरणों पर निर्णय करना होगा। जिलों में डीएम की अध्यक्षता में भी 13 सदस्यीय समिति होगी। इसकी प्रतिमाह बैठक होगी। इसमें अधिकारियों के अलावा डीएम द्वारा नामित मनोवैज्ञानिक व किन्नर समुदाय के दो प्रतिनिधि सदस्य और जिला समाज कल्याण अधिकारी सदस्य सचिव होंगे। यह भी कहा गया है कि किन्नरों को पहचान पत्र मिलेंगे। किन्नरों को मनोवैज्ञानिक परामर्श के लिए केंद्र भी बनेंगे। किन्नर समाज अब तक बिल्कुल उपेक्षित हैं। समाज उन्हें स्वीकार करने को तैयार नहीं है। लोग बाग इनसे बात करने से बचते हैं। किन्नरों का भी रवैया ठीक नहीं। वह त्योहारों के नाम पर व्यापारियों से, दुकानदारों से कई बार जबरदस्ती वसूली करते हैं। बस और ट्रेन में हंगामा करते हैं। परिवार में बच्चा होने और शादी के बाद दुल्हन के परिवार में तो उनकी उद्दंडता देखते बनती है। मनमानी राशि मांगते हैं। न देने पर हुड़दंग करते हैं। परिवार अपनी बेइज्जती से बचने के लिए, अपनी इज्जत बचाने के लिए इनकी नग्नता और गुंडई को देख कर चुप हो जाते हैं। हालात न होने पर भी इन्हें मनमानी रकम देते हैं। कई बार तो वे परिवार उधार भी उठाते हैं। देहात में तो इनके श्राप देने का भी आतंक है। कुछ लोग कहते हैं कि ये नए विवाहित जोड़े और शिशु को आशीर्वाद देते हैं। मांगी रकम न दिए जाने पर श्राप भी देते हैं। इनका श्राप दिया जाना ठीक नहीं।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर गठित इस बोर्ड के गठन से किन्नरों की समस्याओं पर विचार हो सकेगा। उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा में लाने, समाज के विकास कार्यों में लगाने का कार्य किया जाएगा। उनकी समस्याओं पर विचार होगा। उन्हें बताया जाना चाहिए कि उनका रवैया समाज में उन्हें घृणा का पात्र बनाता है यदि वे थोड़ी सरलता-उदारता का प्रयोग करें समाज में उनकी छवि निखर सकती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इनकी संख्या डेढ़ लाख बताई गई है जबकि वास्तव में काफी ज्यादा है। क्योंकि ये अपना परिचय बताना नहीं चाहते। सरकार की योजना किन्नरों को परिचय कार्ड जारी करने की है। इससे किन्नरों को बहुत लाभ मिलेगा। नकली किन्नरों की गतिविधियों को रोका जा सकेगा। कुछ व्यक्ति नकली किन्नर बनकर वसूली करते हैं। इससे नकली और असली किन्नरों में झगड़े होते हैं। मारपीट होती है। कई बार कत्ल हो जाते हैं। परिचय पत्र मिलने के बाद नकली किन्नरों की वसूली बन्द हो सकेगी। अगर इनकी समस्या को समझा जाता, इन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने का काम होता तो इनके व्यवहार में बड़ा परिवर्तन होता। इनके साथ समाज को भी इनके बारे में जागरूक किया जाता तो देश के हालत बिल्कुल अलग होते। ये भी समाज का जिम्मेदार हिस्सा होते। वैसे आज कई किन्नर समाजहित के लिए काम कर रहे हैं। बिजनौर के एक किन्नर ने अपने पास से पैसा लगाकर एक गरीब परिवार की लड़की की शादी की है। अब समाज कल्याण के कार्य सरकार कराने लगी। पहले सेठ, सम्पन्न और जमींदार ये कार्य करते थे। आजादी के पूर्व में बने कई कुएं ऐसे हैं जो किन्नरों ने बनवाए। पुराने लोग बताते भी हैं। ये कुएं हिजड़े का कुआं के नाम से प्रसिद्ध भी हैं। ये चुनाव का समय है। सब दल कहेंगे कि भाजपा ने इसे चुनावी लाभ के लिए गठन किया है। लगता भी ऐसा ही है। भाजपा को इसका लाभ भी मिलना निश्चित है।

सरकार किन्नर कल्याण बोर्ड के माध्यम से किन्नरों को प्रदेश की क्षेत्रीय नृत्य और नाट्य कला, प्रदेश में बसने वाली जनजातियों के नृत्य सिखाकर इन कलाओं से जोड़ने का बड़ा काम कर सकती है। इन्हीं कलाओं में भनेड़ा (बिजनौर) के नक्काल, अरब से भारत आई और बिजनौर के चांदपुर, अमरोहा और रामपुर जनपद में गाई जाने वाली चाहरबैत को इनसे गवाकर जिंदा और रोचक बनाया जा सकता है। चाहरबैत पुरुषों द्वारा ढप (एक तरह का साज) पर गाई जाने वाली कला है।

मेरठ की वोटर लिस्ट में एक ही महिला का 10 जगह नाम और फोटो

मेरठ। चुनाव आयोग के आदेश पर मेरठ जिले के 2947 बूथों पर मतदाता विशेष अभियान चला। किसी का नाम दर्ज होने से रह न जाए या कोई गलत नाम चढ़ न जाए तो इसके लिए सभी सतर्क रहे। इसी सतर्कता के तहत मेरठ कैंट विधानसभा क्षेत्र के दीवान पब्लिक स्कूल के बूथ पर एक महिला के 10 जगह नाम मिले। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सुरेश जैन रितुराज ने इस पर आपत्ति दर्ज की। अधिकारियों ने उचित कार्रवाई की बात कही। मेरठ कैंट विधान सभा बूथ नंबर 264, दीवान पब्लिक स्कूल ,वेस्ट एंड रोड कमरा नंबर- 4 में अनुभाग संख्या- 2 साउथ एंड रोड भूसा मंडी पर दिलकश नामक महिला के 10 वोट बने हुए थे। दिलकश पिता का नाम याकुश मकान संख्या 240 के मतदाता संख्या 937, 938 ,940, 942, 943 ,944, 945, 946 ,947 और 948 पर एक ही नाम से वोट बनी है। छावनी मंडल प्रभारी और उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सुरेश जैन रितुराज ने मंडल अध्यक्ष विशाल कनौजिया के साथ जब नव मतदाता अभियान के अंतर्गत भवन में उक्त भवन में जाकर वोटर लिस्ट का निरीक्षण किया तो एक ही महिला के 10 वोट देकर चकित रह गए। इसकी शिकायत जिलाधिकारी से की गई है। रविवार को मतदाता विशेष अभियान ने पिछले सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिए। एक दिन में जिले में 10 हजार 31 लोगों ने वोटर बनने के लिए आवेदन किए, जबकि एक नवंबर से 20 नवंबर तक के अभियान में 21 हजार दो लोगों के आवेदन जमा हुए। 4409 महिलाओं के आवेदन जमा हुए। 18 से 19 वर्ष के 1975 युवाओं ने भी नाम जोड़ने का आवेदन किया। मृतक और शिफ्टेड वोटर का मामला भी रविवार को सामने आया। इसी तरह 313 डुप्लीकेट वोटर भी मिले।

टी-20 में न्यूजीलैंड का सूपड़ा साफ

रोहित-द्रविड़ युग का सफल आगाज, भारत ने सीरीज में किया क्लीन स्वीप

कोलकाता। प्लेयर ऑफ द सीरीज कप्तान रोहित शर्मा (56) के शानदार अर्धशतक और प्लेयर ऑफ द मैच अक्षर पटेल (नौ रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी तथा हर्षल पटेल (18 दो विकेट) के हरफनमौला खेल की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड को तीसरे और अंतिम टी 20 क्रिकेट मैच में रविवार को 73 रन से पराजित कर तीन मैचों की सीरीज को 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। भारतीय टीम तूफानी शुरुआत और अंतिम ओवरों में जोरदार प्रहारों की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 184 रन का मजबूत स्कोर बनाया और न्यूजीलैंड को 17.2 ओवर में 111 रन पर ढेर कर सीरीज को क्लीन स्वीप किया और मेहमान टीम से विश्व कप के ग्रुप मैच में मिली हार का बदला चुका लिया। भारतीय टीम ने अपनी सरजमीं पर न्यूजीलैंड के खिाफ टी-20 में पहली बार क्लीन स्वीप किया।

न्यूजीलैंड की टीम 111 रन पर ढेर होकर अपनी रनों के लिहाज से चौथी सबसे बड़ी पराजय झेलने को मजबूर हुई। भारत ने अपनी छठी क्लीन स्वीप हासिल की और सबसे ज्यादा क्लीन स्वीप करने में पाकिस्तान की बराबरी कर ली। भारत की द्विपक्षीय सीरीज में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ यह आठवीं जीत है और उसकी मेहमान टीम के खिलाफ यह लगातार दूसरी सीरीज जीत है। भारत ने 2020 के न्यूज़ीलैंड दौरे में 5-0 से जीत हासिल की थी। अक्षर पटेल ने पहले पांच ओवरों में तीन विकेट निकालकर न्यूज़ीलैंड की बल्लेबाजी की ऐसी कमर तोड़ी कि वह अंत तक उबर नहीं पायी। केवल मार्टिन गुप्टिल ने अपनी फॉर्म कायम रखते हुए 51 रन की पारी खेली लेकिन उनके टीम के 69 रन के स्कोर पर आउट हो जाने के बाद न्यूज़ीलैंड की अंतिम उम्मीद भी टूट गयी। गुप्तिल को लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच कराया। टिम सिफर्ट 18 गेंदों में 17 रन बनाकर रन आउट हो गए। फर्ग्युसन ने 14 रन बनाए । भारत की तरफ से अक्षर पटेल के तीन विकेटों के अलावा हर्षल ने दो विकेट लिए।

रोहित ने टी-20 में जड़ा 26वां अर्धशतक

भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत को रोहित और किशन ने तूफानी शुरुआत दी और पहले छह ओवर में 69 रन ठोक डाले। रोहित और किशन दोनों ने ही इस दौरान जमकर शॉट लगाए। रोहित ने 56 रन की अपनी पारी का तीसरा छक्का लगाते हुए टी 20 में अपने 150 छक्के पूरे किए। किशन ने 21 गेंदों पर 29 रन में सात चौके लगाए। सूर्य लगातार दूसरे मैच में सस्ते में आउट हुए। ऋषभ पंत चार रन बनाकर आउट हुए। रोहित अपना 26वां अर्धशतक बनाने के बाद आउट हुए। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे मुकाबले में रोहित भले ही 56 रन बना सके लेकिन आउट होने से पहले वह कोहली को पछाड़कर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और वेंकटेश अय्यर ने पांचवें विकेट के लिए 36 रन जोड़े लेकिन इसके बाद एक रन के अंतराल में दोनों बल्लेबाज आउट हुए। वेंकटेश ने 15 गेंदों में 20 रन बनाए जबकि श्रेयस ने 25 रन बनाए। हर्षल पटेल ने 18 रन बनाए। अक्षर पटेल दो रन पर नाबाद रहे जबकि दीपक चाहर ने नाबाद 21 रन बनाए। भारत की पारी 184 रन के मजबूत स्कोर पर जाकर थमी।

टी20 क्रिकेट में 150 छक्के जड़ने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बने रोहित शर्मा

रोहित शर्मा ने तीसरे टी20 मुकाबले में 3 छक्के जड़ने के साथ ही इतिहास रच दिया है। रोहित शर्मा टी20 क्रिकेट में 150 छक्के पूरे करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित से पहले न्यूजीलैंड मार्टिन गुप्टिल टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामलें में भी गुप्टिल पहले नंबर पर हैं। गुप्टिल के नाम 161 छक्के दर्ज हैं। इस मामलें में रोहित शर्मा दूसरे पायदान पर हैं। तीसरे नंबर पर 124 छक्कों के साथ क्रिस गेल हैं। रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान टी20 में 50 छक्के भी पूरे कर लिए हैं और ऐसा करने वाले वह कोहली 59 छक्के के बाद दूसरे भारतीय कप्तान हैं। बतौर कप्तान टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के इयोन मोर्गन के नाम है जिन्होंने 85 छक्के जड़े हैं। बीसीसीआई के अध्यक्ष, टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और कोलकाता के बेटे सौरव गांगुली परम्परा के मुताबिक मैच से पहले स्टेडियम में मौजूद बड़े घंटे को बजाने का मौका मिला।

स्कोर बोर्ड

भारतीय पारी	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा कै. एवं बो. ईश सोढी	56	31	5	3
ईशान किशन कै. साइफर्ट बो. सैंटनर	29	21	6	0
सूर्यकुमार कै. गुप्टिल बो. सैंटनर	00	04	0	0
ऋषभ पंत कै. नीशम बो. सैंटनर	04	06	0	0
श्रेयस अय्यर कै. मिचेल बो. मिल्ने	25	20	2	0
वेंकटेश अय्यर कै. चैपमैन बो. बोल्ट	20	15	1	1
अक्षर पटेल नाबाद	02	04	0	0
हर्षल पटेल, हिट विकेट बो. फर्ग्युसन	18	11	2	1
दीपक चाहर नाबाद	21	08	2	1

अतिरिक्त: 9, **कुल**: 20 ओवर में सात विकेट पर 184 रन **विकेट पतन**: 1-69, 2-71, 3-83, 4-103, 5-139, 6-140, 7-162 **गेंदबाजी**: ट्रेंट बोल्ट 4-0-31-1, ऐडम मिल्ने 4-0-47-1, लॉकी फर्ग्युसन 4-0-45-1, सैंटनर 4-0-27-3, ईश सोढी 4-0-31 -1,

न्यूजीलैंड पारी	रन	गेंद	4	6
मार्टिन गुप्टिल कै. सूर्यकुमार बो. चहल	51	36	4	4
डैरिल मिचेल कै. हर्षल बो. अक्षर	05	06	1	0
मार्क चैपमैन स्टम्प. पंत बो. अक्षर	00	02	0	0
फिलिप्स बो. अक्षर	00	04	0	0
साइफर्ट रन आउट	17	18	1	0
जिमी नीशम कै. पंत बो. हर्षल	03	07	0	0
मिचेल सैंटनर रन आउट	02	04	0	0
ऐडम मिल्ने कै. रोहित बो. वेंकटेश	07	06	0	1
ईश सोढ़ी कै. सूर्यकुमार बो. हर्षल	09	11	2	0
लॉकी फर्ग्युसन कै. एवं बो. चाहर	14	08	0	2
ट्रेंट बोल्ट नाबाद	02	02	0	0

अतिरिक्त: 1, **कुल**: 17.2 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट **विकेट पतन**: 1-21, 2-22, 3-30, 4-69, 5-76, 6-76, 7-84, 8-93, 9-95, 10-111 **गेंदबाजी**: भुवनेश्वर कुमार 2-0-12-0, दीपक चाहर 2.2-0-26-1, अक्षर पटेल 3-0-9-3, चहल 4-0 26-1, वेंकटेश अय्यर 3-0-12-1, हर्षल पटेल 3-0-26-2,

युगांडा पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने जीते 47 पदक

16 स्वर्ण, 14 रजत और 17 कांस्य पदक हासिल किए

कम्पाला। युगांडा की राजधानी कम्पाला में खेले गए पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने 16 गोल्ड, 14 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज समेत 47 मेडल जीते हैं। भारतीय पैरा बैडमिंटन टीम से पलक कोहली, अबू हुबैदा और अम्मू मोहन ने सिंगल्स के साथ-साथ डबल्स में भी गोल्ड मेडल जीता।

इसके अलावा पलक ने एक सिल्वर भी जीता। मानसी जोशी, जिन्होंने 2019 में पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था, उन्होंने भी इस टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीता। भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम ने स्वर्ण पदक जीता जबकि उनके हमवतन प्रमोद भगत के नाम तीन रजत पदक रहे। सुकांत ने दो साल के बाद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज इस भारतीय खिलाड़ी ने एसएल4 वर्ग के मैच में हमवतन निलेश बालू गायकवाड को 38 मिनट तक चले मुकाबले में 21-16 17-21 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज भगत के लिए यह अच्छा दिन नहीं था। टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी को अपने तीनों फाइनल मैच में हार का सामना करना पड़ा। पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में भगत को उनके युगल जोड़ीदार मनोज सरकार ने करीबी मुकाबले में हराया। भगत को यह मैच 19-21, 16-21 से गंवाना पड़ा।

34वीं अखिल भारतीय डाक कुश्ती प्रतियोगिता का आगाज आज

नई दिल्ली। 34वीं अखिल भारतीय डाक कुश्ती प्रतियोगिता का यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में सोमवार से आगाज होगा। डाक सेवा बोर्ड की योजना एवं मानव संसाधन विकास सदस्य अलका झा, डाक विभाग के महानिदेशक आलोक शर्मा और विभाग के अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में कल होने वाले उद्घाटन समारोह में ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया और भारतीय ओलंपिक कोच अनिल मान मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे। इसी तरह 25 नवंबर को डाक विभाग के महानिदेशक आलोक शर्मा की मौजूदगी में होने वाले समापन समारोह में राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता गीता फोगाट और पवन पहलवान बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होंगे। दिल्ली पोस्टल सर्कल, डाक विभाग की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता के इस 34वें संस्करण में देश भर से डाक विभाग के कुल 98 पहलवान भाग लेंगे, जिसमें 96 पुरुष और दो सर्कल की महिला पहलवान शामिल होंगी।

ज्योफ एलार्डिस आईसीसी के पूर्णकालिक सीईओ नियुक्त

दुबई। आठ महीने से अधिक समय तक अंतरिम आधार पर कार्यकारी सीईओ की भूमिका निभाने के बाद ज्योफ एलार्डिस को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का पूर्णकालिक सीईओ नामित किया गया है।

एलार्डिस ने मार्च में मनु साहनी के निलंबित होने के बाद इस पद को संभाला था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर एलार्डिस ने इससे पहले आठ साल तक आईसीसी के महाप्रबंधक (क्रिकेट) के रूप में काम किया था। उन्होंने पहले भी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में इसी तरह की भूमिका निभाई थी। एलार्डिस ने कहा, मेरा निरंतर ध्यान हमारे खेल के लिए सही काम करने और दीर्घकालिक सफलता के साथ इस खेल को स्थिरता प्रदान करने के लिए सदस्यों के साथ मिलकर काम करने पर होगा। मैं पिछले आठ महीनों में अपनी प्रतिबद्धता और समर्थन के लिए आईसीसी कर्मचारियों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं और मैं इस तरह की प्रतिभाशाली टीम के साथ क्रिकेट की सेवा करना जारी रखना चाहता हूं। आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कली ने कहा, मुझे खुशी है कि ज्योफ स्थायी आधार पर इस भूमिका को निभाने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्होंने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2021 में बेहद चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान जबरदस्त नेतृत्व दिखाया है।

करुणारत्ने के शतक से श्रीलंका मजबूत

दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 267 रन बनाए

गाले। कप्तान दिमुथ करुणारत्ने (नाबाद 132) के शानदार शतक से श्रीलंका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन रविवार को 88 ओवर में तीन विकेट पर 267 रन का मजबूत स्कोर बना लिया।

करुणारत्ने ने अपने करियर में 73वें टेस्ट में अपना 13वां शतक बनाया। दिन की समाप्ति तक वह 265 गेंदों में 13 चौकों की मदद से 132 रन बनाकर क्रीज पर टिके हुए हैं। करुणारत्ने ने पथुन निसंका (56) के साथ ओपनिंग साझेदारी में 139 रन जोड़े। उन्होंने धनंजय डिसिल्वा (नाबाद 56) के साथ चौथे विकेट की अविजित साझेदारी में 97 रन जोड़ दिए हैं । निसंका ने 140 गेंदों पर अपने अर्धशतक में सात चौके लगाए। डिसिल्वा ने 77 गेंदों पर नाबाद 56 रन में पांच चौके लगाए। ओशादा फर्नांडो और एंजेलो मैथ्यूज ने तीन तीन रन बनाए और रोस्टन चेज का शिकार बने। श्रीलंका की पारी के 24 वें ओवर में करुणारत्ने ने चेज की शार्ट बॉल को पुल किया लेकिन गेंद शार्ट लेग पर खड़े पदार्पण टेस्ट खेल रहे जेरेमी सोलोजानो के हेलमेट के आगे लगी ग्रिल से जा टकराई। हेलमेट का अगला हिस्सा निकल गया और सोलोजानो जमीन पर गिर गए। उन्हें फिर स्ट्रेचर में मैदान से बाहर ले जाकर एम्बुलेंस से स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया।

जोकोविच एटीपी फाइनल्स से बाहर

ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में 7-6 (4), 4-6, 6-3 से हराया

तूरिन। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इस साल लगातार दूसरी बार नोवाक जोकोविच को बड़ी ट्रॉफी जीतने से रोक दिया। उन्होंने शनिवार को एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जोकोविच को 7-6 (4), 4-6, 6-3 से मात दी। अब ज्वेरेव का सामना रविवार को होने वाले फाइनल में डेनिल मेदवेदेव से होगा।

टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव ने वर्ल्ड नंबर वन जोकोविच को हराया था। इस नतीजे का मतलब है कि जोकोविच टॉप आठ खिलाड़ियों के सीजन के इस आखिरी टूर्नामेंट में रोजर फेडरर के रिकॉर्ड छह खिताब की बराबरी नहीं कर सकेंगे। कम से कम इस साल तो नहीं। जोकोविच 20 ग्रैंडस्लैम खिताब जीतकर रोजर फेडरर और राफेल नडाल की बराबरी पर हैं।अमेरिकी ओपन के चैम्पियन मेदवेदेव ने सेमीफाइनल में पहली बार क्वॉलीफाई करने वाले कैस्पर रूड को 6-4, 6-2 से हराया था।

हम दोनों के बीच हाई लेवल का मुकाबला होता है: ज्वेरेव

ज्वेरेव ने जीत के बाद कहा, हर बार जब हम एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं तो यह बहुत ही हाई लेवल का मुकाबला होता है। ज्वेरेव ने जोकोविच के बारे में कहा, वे सर्वकालिक महान खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि लोग कभी कभार इसे भूल जाते हैं। उन्होंने कहा, इस साल हम पांच बार एक दूसरे के खिलाफ खेले हैं। हर बार हम कई घंटों तक खेले हैं। मेदवेदेव ने ज्वेरेव के खिलाफ पिछली पांच भिड़ंत में जीत हासिल की है। डबल्स इवेंट के फाइनल में राजीव राम और जो सालिसबरी का सामना पिएरे ह्यूजेस हर्बर्ट और निकोलस महूत की जोड़ी से होगा।

भारत ए के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेंगे दीपक चाहर और इशान किशन

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज दीपक चाहर और विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। वह तीन चार-दिवसीय टेस्ट मैचों की इस सीरीज़ का हिस्सा होंगे। दीपक और इशान इस समय न्यूज़ीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के लिए कोलकाता में हैं और वह 23 नवंबर को भारत ए टीम के साथ उड़ान भरेंगे।

समझा जाता है कि इशान को भेजने के पीछे का कारण यह है कि चेतन शर्मा की अगुआई वाली चयन समीति ने इस दौरे के लिए रेलवे के उपेंद्र यादव के रूप में केवल एक ही विकेटकीपर को चुना था जबकि चाहर ने लाल गेंद से ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है लेकिन गेंद को स्विंग कराने की उनकी क्षमता के कारण चयनकर्ता उन्हें खेल में व्यस्त रखना चाहते हैं। पहला मैच 26 नवंबर से शुरू होगा। **भारत ए टीम :** प्रियांक पांचाल (कप्तान), पृथ्वी शॉ, अभिमन्यु ईश्वरन, देवदत्त पडिकल, सरफराज खान, बाबा अपराजित, उपेंद्र यादव, कृष्णप्पा गौतम, राहुल चाहर, सौरभ कुमार, नवदीप सैनी, उमरान मलिक, इशान पोरेल, नागवासवाला, इशान किशन, दीपक चाहर।

शाहीन पर आचार संहिता उल्लंघन के लिए लगा 15 फीसदी जुर्माना

दुबई। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह आफरीदी पर शनिवार को ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी 20 मुकाबले में आचार संहिता उल्लंघन के लिए मैच फीस के15 फीसदी का जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने रविवार को बयान में बताया कि शाहीन पर जुर्माने के अलावा उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। उनका यह इस तरह का पहला अपराध था। शाहीन ने अपना अपराध और जुर्माने को स्वीकार कर लिया है इसलिए मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत महसूस नहीं हुई।

बाइडन के बाद ब्रिटेन भी करेगा बहिष्कार पर विचार, कहा- चीन को टेनिस स्टार के बारे में सत्यापन योग्य सबूत देना चाहिए

लंदन। बीजिंग में 2022 को होने वाले शीतकालीन ओलंपिक के बहिष्कार पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की घोषणा के बाद ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन ने भी खेलों के राजनयिक बहिष्कार पर विचार की बात कही है। उन्होंने इसके लिए चीन में कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन को जिम्मेदार ठहराया है। ब्रिटिश सरकार बीजिंग ओलंपिक में अफसरों को भेजने से रोकने की संभावना पर सक्रिय रूप से चर्चा कर रही है। इसी बीच ब्रिटेन ने कहा है कि चीन को टेनिस स्टार पेंग शुआई के ठिकाने के बारे में सत्यापन योग्य सबूत देना चाहिए। यह जानकारी न्यूज एजेंसी एएफपी ने दी है। गौरतलब है कि चीन की टेनिस स्टार पेंग शुआई ने कम्युनिस्ट पार्टी के एक शीर्ष अधिकारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इसके बाद से वो गायब हैं। ब्रिटिश विदेश मंत्री लिज ट्रस चीन को इन खेलों में राजनयिकों को न भेजने का समर्थक माना जा रहा है। स्पुतनिक समाचार एजेंसी ने मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया कि ट्रस के मुताबिक, ब्रिटेन का प्रतिनिधित्व राजदूत कर सकता है, लेकिन कोई अन्य अधिकारी इसमें शामिल नहीं होगा।

इयान चैपल ने टी-20 क्रिकेट में छोटे मैदान को गेंदबाजों के लिए बताया एक गंभीर समस्या

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर इयान चैपल ने टी-20 फॉर्मेट में गेंदबाजों को एक च्वर्चुअल गेंदबाजी मशीनज् करार दिया है। चैपल का मानना है की मौजूदा समय में बेहतर बल्लों और छोटे मैदानों से गेंदबाज च्वर्चुअल गेंदबाजी मशीन बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने खेल के सरंक्षकों से टी20 क्रिकेट में खेल और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए सुधारात्मक कदम उठाये जाने की भी मांग की है। चैपल ने कहा, प्रशासकों को बल्ले और गेंद के बीच आदर्श संतुलन ढूंढने और प्रशसंकों को क्रिकेट के महत्व के बारे में शिक्षित करने की जरूरत है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, जब बल्ले के बीच में लगकर गेंद स्टैंड में चली जाती हैं तो ठीक है लेकिन एक गेंदबाज को तब काफी गुस्सा होना चाहिए जब एक गलत हिट गेंद रस्सियों के पार चली जाती है।

पहले टेस्ट के लिए आज पहुंचेगी न्यूजीलैंड की टीम

कानपुर। न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृखंला का पहला मैच खेलने के लिये भारतीय टीम के 11 खिलाड़ी कानपुर पहुंच चुके है जबकि अन्य पांच खिलाड़ी और न्यूजीलैंड की पूरी टीम सोमवार को पहुंचेगी।ग्रीनपार्क स्टेडियम पर सीरीज का पहला मुकाबला 25 नवंबर से खेला जायेगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के सूत्रों के मुताबिक कोलकाता में तीसरे और आखिरी टी-20 मुकाबले के बाद भारतीय टीम के पांच और न्यूजीलैंड का पूरा स्कवाड चार्टड प्लेन से सोमवार को यहां चकेरी हवाई अड्डे पर उतरेगा।दोनो टीमों को शहर के एकमात्र पांच सितारा होटल लैंडमार्क पर ठहराया जायेगा। होटल के 14वें फ्लोर को न्यूजीलैंड और 15वें फ्लोर को भारतीय खिलाड़ियों के लिए आरक्षित किया गया है। टीम के 11 खिलाड़ी शुक्रवार को यहां पहुंच चुके थे जिन्हे 17वीं मंजिल पर क्वारंटाइन किया गया है।

मेसी ने फ्रेंच लीग में पीएसजी के लिए पहला गोल दागा

नेनटेस को 3-1 से शिकस्त दी

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस सेंट जर्मेन के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी ने शनिवार को लीग-1 में अपना पहला गोल दागा। मेसी और किलियन एमबापे के गोल की बदौलत पीएसजी ने नेनटेस को 3-1 से हराया।

मेसी ने पीएसजी के लिए पहला गोल चैंपियंस ट्रॉफी में दो महीने पहले मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ दागा था। हालांकि वह फ्रेंच फुटबॉल टूर्नामेंट लीग-1 में अब तक गोल नहीं दाग सके थे। पीएसजी के लिए पहला गोल दूसरे मिनट में किलियन एमबापे ने दागा। मैच के 65वें मिनट में पीएसजी को बड़ा झटका लगा जब गोलकीपर काइलोर नवास को रेड कार्ड मिला। इसके बाद पीएसजी की टीम 10 खिलाड़ियों से खेली। इसके बाद रांडल कोलो मुएनी ने 76वें मिनट में गोल दागकर नेनटेस को बराबरी दिला दी। हालांकि नेनटेस की डिफेंसिव मिडफील्डर डेनिस एपियाह ने आत्मघाती गोल करके पीएसजी को 2-1 के बढ़त बनाने का मौका दिया है। मेसी ने 87वें मिनट में गोल दागकर टीम की सुनिश्चित कर दी। ब्राजील के स्टार स्ट्राइकर नेमार गोल नहीं कर सके। पीएसजी के लिए पहला गोल दूसरे मिनट में किलियन एमबापे ने दागा। मैच के 65वें मिनट में पीएसजी को बड़ा झटका लगा जब गोलकीपर काइलोर नवास को रेड कार्ड मिला। इसके बाद पीएसजी की टीम 10 खिलाड़ियों से खेली। लीग 1 में शीर्ष पर काबिज पीएसजी के अब 14 मैचों में 37 अंक हो गए है। पीएसजी को अब अगला मुकाबला चैंपियंस ट्रॉफी में बुधवार को मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ खेलना है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की करारी हार

प्रीमियर लीग में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम मैनचेस्टर यूनाइटेड को करारी हार का सामना करना पड़ा। वाटफोर्ट ने यूनाइटेड को 4-1 से शिकस्त दी। रोनाल्डो इस मुकाबले में एक भी गोल नहीं दाग सके । रोनाल्डो की टीम मैनचेस्टर यूनाइटेड पिछले 5 मुकाबले में सिर्फ एक मैच में ही जीत दर्ज करने में सफल रही है। पिछले एक महीने में उसे मैनचेस्टर सिटी ने 2-0 और लिवरपूल ने 5-0 से हराया। वहीं अन्य मुकाबले में जावी हर्नांडिज ने बार्सिलोना के कोच के तौर पर जीत से शुरूआत की और टीम ने स्पेनिश लीग के फुटबॉल मुकाबले में इस्पानयोल पर 1-0 से जीत दर्ज की। बार्सिलोना के लिए मेम्फिस डीपे ने 48वें मिनट में पेनल्टी से गोल किया।

इब्राहिमोविच के दो गोल के बावजूद एसी मिलान हारा

लोरेंस। ज्लाटन इब्राहिमोविच के दो गोल के बावजूद एसी मिलान को सीरी ए मैच में फियोरेंटिना से 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। लीग के इस सत्र में यह एसी मिलान की पहली हार है। इब्राहिमोविच सीरी ए मैच में कई गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए। स्वीडन के इस स्टार ने 40 साल और 48 दिन की उम्र में 62वें और 67वें मिनट में दो गोल दागे। फियोरेंटिना के लिए एल्फ्रेड डुनकान ने 15वें, रिकार्डो सापोनारा ने 45+1वें मिनट में, डुसान व्लाहोविच ने 60वें और 85वें मिनट में दो गोल किए। वहीं अन्य मुकाबले में बोरूसिया डॉर्टमंड ने बुंदेसलीगा में स्टुटगार्ट पर 2-1 से जीत दर्ज की।

निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान महत्वपूर्ण होता है : रोहित

कोलकाता। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को यहां कहा कि दूसरी टीमों में आठवें और नौवें नंबर के बल्लेबाज अच्छा योगदान देते हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय से उनका यह विश्वास दृढ़ हो गया कि अब उनके पास भी उपयोगी पुछल्ले बल्लेबाज हैं। ऐसे में पुछल्ले बल्लेबाजों ने उपयोगी योगदान दिया और आखिरी पांच ओवरों में 50 रन जोड़े जिससे भारत ने सात विकेट पर 184 रन बनाये और फिर न्यूजीलैंड को 111 रन पर आउट कर दिया। रोहित ने मैच के बाद कहा, हम बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते थे लेकिन हमारे निचले क्रम के बल्लेबाजों ने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे मैं खुश हूं। उन्होंने कहा, अगर आप दुनिया भर की टीमों पर गौर करो तो उनके पास निचले क्रम में भी अच्छे बल्लेबाज हैं। आठवें और नौवें नंबर का बल्लेबाज अहम भूमिका निभा सकता है। हर्षल (पटेल) जब हरियाणा के लिये खेलता है तो उनके लिये पारी का आगाज करता है। दीपक (चाहर) के बारे में हम जानते हैं कि उसने श्रीलंका में शानदार बल्लेबाजी की थी। श्रृंखला में 159 रन बनाकर मैन ऑफ द सीरीज चुने गये रोहित ने कहा कि टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरूआत करना बेहद जरूरी था। उन्होंने कहा, जब भी मैं बल्लेबाजी करता हूं तो मेरा ध्यान अच्छी शुरूआत दिलाने पर होता है। एक बार पिच की स्थिति जानने और परिस्थितियों को समझने के बाद आप जान जाते हो कि एक बल्लेबाज के रूप में आपको क्या करने की जरूरत है।

आखिरकार एसटीपी और सीवर कार्य में हुई भ्रष्टाचार अब जाँच की जद में

प्रखर जौनपुर। जौनपुर में नमामि गंगे और अमृत योजना के तहत कराए जा रहे एसटीपी व सीवर कार्य में तकनीकी गड़बड़ी व वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला विधान परिषद की समिति में पहुंच गया है` जौनपुर से लखनऊ पहुंची जांच की आंच से जिले में हड़कंप मच गया है` स्वच्छ गोमती अभियान के अध्यक्ष गौतम गुप्ता की शिकायत पर विधान परिषद सदस्य एवं समिति के सभापति विद्यासागर सोनकर ने 18 नवंबर 2021 को लखनऊ स्थित विधान भवन में इस मामले की सुनवाई की `सुनवाई के दौरान जब जांच समिति के सदस्यों द्वारा उपस्थित अधिकारियों से मामले के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कहा गया तो प्रदेश सरकार के आला अधिकारी बगले झांकने लगे` इसी बीच शिकायतकर्ता गौतम गुप्ता ने एस टी पी और अमृत योजना के अलावा रिवर फ्रंट की ड्राइंग और डिजाइन पर सवाल खड़ा करते हुए इसे गोमती नदी, पर्यावरण व राष्ट्रीय धरोहर ऐतिहासिक शाही पुल के हितों के विपरीत बताया` समिति के सदस्यों ने एसटीपी और अमृत योजना के अलावा रिवर फ्रंट मामले में नमामि गंगे और जल निगम के उच्च अधिकारियों से अगली बैठक में स्पष्टीकरण व साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया है` अधिकारियों ने स्पष्टीकरण और साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए समिति से 2 माह का समय मांगा` जिस पर समिति ने 14 दिन का समय देते हुए 1 दिसंबर को सभी साथियों और स्पष्टीकरण के साथ उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया है विधान परिषद की समिति द्वारा एसटीपी मामले में तकनीकी गड़बड़ी और भ्रष्टाचार के मामले में जांच से भ्रष्टाचारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

सपा नेता सदानंद यादव के प्रतिष्ठान पर मनाया गया मुलायम सिंह यादव का 82 वां जन्मदिन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री और देश के रक्षामंत्री रहे समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव का जन्मदिन सोमवार को अहरौरा के सत्यानगंज में स्थित सपा नेता सदानन्द यादव के प्रतिष्ठान पर 82वां जन्मदिन बड़े ही हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सपा नेता ने कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों को भी अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। मुलायम सिंह यादव ने इटावा जिले के सैफई गांव में 22 नवंबर, 1939 को जन-?मे मुलायम सिंह यादव ने शुरूआती जीवन एक शिक्षक के रूप में शुरू किया और 1967 में पहली बार विधानसभा के सदस्य चुने गए वह वर्ष 1977 में रामनरेश यादव के नेतृत्व वाली जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश सरकार में पहली बार मंत्री बने। इस बीच सपा कार्यकताओं द्वारा एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित रहने वालों में पूर्व नगर अध्यक्ष सदानंद ,पूर्व ग्राम प्रधान अमरनाथ चौहान, मजीद कुरैशी, बचाऊ कुरैशी, लालू यादव भानु यादव ननकू पटेल शमशेर आशीष यादव आदि रहे।

डॉक्टर शबनम नाज ने मुलायम सिंह का 83 वां जन्मदिन मनाया

प्रखर केराकत जौनपुर। डॉक्टर शबनम नाज ने अपने आवास पर सभी महिलाओं और छोटे बच्चों के साथ मिलकर सपा के मुखिया मुलायम सिंह यादव का 83 या जन्मदिन केक काटकर मनाया डॉ शबनम नाज ने बताया कि 2022 के चुनाव में हमारी पार्टी चुनाव जीतकर पूर्ण बहुमत में सरकार बनाएगी सरताज बानो,ममता देवी, रीना, लीलावती, उर्मिला, फूलपत्ती, रुखसाना बेगम, दुर्गावती, चमेला, सुमन, संजू देवी आदि लोग उपस्थित रहे।

हटाए गए संतोष शुक्ला, निरीक्षक अश्वनी दुबे होंगे नए थानेदार

प्रखर जौनपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्कालीन खुटहन थानाध्यक्ष संतोष शुक्ला के स्थानांतरण के बाद थाने की जिम्मेदारी नवागंतुक इंस्पेक्टर अश्वनी दूबे को सौंपी है। कप्तान के आदेश के अनुपालन में उन्होंने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने पत्रकारो से बातचीत करते हुए कहा कि अपराध रोकने के लिए अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। निर्दोष के साथ पुलिस का वर्ताव मित्रवत रहेगा।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन व व्यापार मंडल कल्याण समिति के संयुक्त तत्वाधान में लगा रजिस्ट्रेशन कैंप

प्रखर जौनपुर। जौनपुर शहर के टाउन हॉल के मैदान में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन व व्यापार मंडल कल्याण समिति के संयुक्त तत्वाधान में रजिस्ट्रेशन कैंप लगाया गया, जिसमें पहुंचकर खाद्य पदार्थ बेचने वाले छोटे और बड़े व्यापारियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया, इस मौके पर जिला अभिहित अधिकारी डॉ वेद प्रकाश मिश्रा ने कहा कि व्यापार मंडल कल्याण समिति के संयुक्त तत्वाधान में आज यहां पर यह कैंप लगाकर खाद्य पदार्थ के छोटे व बड़े व्यापारियों को फूड लाइसेंस के लिए आवेदन आमंत्रित किया जा रहा है ,जिसमें पहुंचकर लोग खाद्य पदार्थ बेचने के लिए लाइसेंस बनवा सकते हैं, उन्होंने कहा कि यह सभी छोटे बड़े खाद्य पदार्थ व्यापारियों के लिए है जो लोग लाइसेंस नहीं बनाते हैं उनके ऊपर विभागीय कार्रवाई होगी ,आमजन में सभी व्यापारी भाइयों को चाहिए कि ऐसे कैंप का फायदा उठाएं और अपने खाद्य पदार्थ बेचने के लिए लाइसेंस बनवा ले, इस मौके पर समिति के अध्यक्ष जावेद अजीम ने कहा कि हमारा व्यापार मंडल समय-समय पर इस तरीके के कैंप लगाकर लोगों को फूड लाइसेंस निर्गत करने के लिए उत्साहित करता रहता है तथा उनकी सुविधाओं के लिए प्रशासन से मिलकर कैंप लगाता रहता है। इस मौके पर अनिल कुमार राय मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं आयोजक अभिषेक, संयोजक-सद्दाम हुसैन तथा साहब लाल साहू,मनोज साहू, मो फिरोज खान ,अयाज अहमद, निरुद्दीन शेख, रेयाज अहमद, साबिर अजीम, शहनवाज खान, अमीरुलल्ला राईन, विशाल ,सौरभ साहू , रियाजुल आदी व्यापारियों ने कैंप लगवाने में अपना योगदान दिया।

जनपद स्तरीय खेल प्रतियोगिताओ का हुआ भव्य शुभारंभ

प्रखर वाराणसी। बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत संचालित विद्यालयों के बच्चों तथा शिक्षकों का जनपद स्तरीय खेल प्रतियोगिता भव्य कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल रहे।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश सिंह ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ तथा अंगवस्त्रम देकर के स्वागत किया। अपने उद्घाटन संबोधन में राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल ने बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश सिंह की कार्यशैली की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने उन्हें उत्तर प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ बेसिक शिक्षा अधिकारी बताया तथा इस आशय का प्रमाण पत्र तथा अंगवस्त्रम प्रदान कर राकेश सिंह को सम्मानित भी किया।

मुख्य अतिथि के द्वारा कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा के पश्चात वाराणसी जनपद के समस्त नौ ब्लॉकों से विजेता बच्चों तथा शिक्षकों की खेलकूद की प्रतियोगिताएं प्रारंभ हो गए। प्रथम दिन खो खो, कबड्डी, 100 मीटर 200 मीटर और 400 मीटर की दौड़ इत्यादि प्रतियोगिताएं हुई जिस के विजेताओं को अंतिम दिन पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष कुमार पांडे ने किया तथा इस अवसर पर रणंजय सिंह, विभोर रघुवंशी, शशांक पांडेय, ज्योति प्रकाश, आनंद सिंह, राजन सिंह, अरुण पांडे, पवन कुमार सिंह, सकलदेव सिंह, शैलेंद्र विक्रम सिंह, राजीव सिंह, विवेकानंद यादव, सौम्या सिंह, रीना वर्मा, मधु कुमारी, वंदना मौर्या, सुषमा उपाध्याय, तूबा आसिन, नीलम राय, अनिता कुमारी, आशा विश्वकर्मा, आशा पाठक, शशिकला, अखिलेश यादव, रमेश यादव, अरविंद पांडेय, जितेंद्र सिंह, सुनील यादव इत्यादि शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्कूली बच्चों व शिक्षकों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

पीडीडीयू नगर। दिन रविवार को प्रभारी यातायात श्याम जी यादव द्वारा आने वाले ठंड व कुहरे में फाग लाइट का प्रयोग करने और वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगवाने के क्रम में ट्रैक्टर ट्रालियों में रिफ्लेक्टर टेप लगवाया गया वही रिफ्लेक्टर टेप लगाने की शुरूवात टी आई श्याम जी यादव द्वारा अपने वाहन में लगाकर किया गया,साथ ही साथ लोगों को जागरूक करते हुए टी आई श्याम जी यादव रिफ्लेक्टर टेप वाहन में लगे होने से धुंध और कुहरे में सामने वाले वाहन का प्रकाश पड़ने से चमकता है और रिफ्लेक्टर टेप न लगे वाहनों के चालान की जुमार्ना राशि 10,000/- (दस हजार) होना भी बताया गया।इस मौके पर टीएसआई दुर्गा दत्त यादव, टीएसआई अशोक पांडेय,कांस्टेबल सौरभ,ओम प्रकाश, धर्मेन्द्र यादव धीरज मिश्रा और ज्ञानचंद मौजूद रहे।वही दूसरी तरफ प्रभारी यातायात श्याम जी यादव के निर्देशन में टीएसआई दुर्गादत्त यादव द्वारा थाना बबुरी क्षेत्र स्थित यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल में स्कूली बच्चों और शिक्षकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

कूलर में उतरे करंट की जद में आए मासूम बच्चों की मौत

प्रखर भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जनपद में कूलर में उतरे करंट की जद में आने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गयी। हादसा सोमवार की दोपहर का है जब बच्चे खेलते हुए करंट की चपेट में आ गए। परिजनों को घटना का जब तक पता चलता बिलम्ब हो चुका था। बाद में दोनों को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जनपद के कोइरौना थाना क्षेत्र के सेमराध गांव में दोपहर प्रवीण दुबे और उनके सगे भाई राहुल दूबे के पुत्र कृष्णा दुबे तीन वर्ष और कान्हा एक वर्ष खेल रहे थे। दोनों खेलते खेलते हुए कूलर के पास जा पहुंचे। लेकिन कूलर में करंट प्रवाहित हो रहा था। करंट की जद में आने से दोनों मासूम बच्चों की घटना स्थल पर मौत हो गयी। बच्चों को खोजते हुए घर की महिलाएं जब कमरे में पहुंची तो दोनों मासूम जमीन पर पड़े थे। बच्चों को जमीन पर लेटे देख महिलाएं चिल्लाने लगी। परिजन आनन-फानन में दोनों बच्चों को लेकर गोपीगंज स्थित एक निजी अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने दोनों मृत घोषित कर दिया। दोनों बच्चे समाजसेवी जय शंकर दूबे के पोते थे। बाद में परिजनों ने बच्चों का अंतिम संस्कार कर दिया। इस हृदय विदारक घटना ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। घटना की जानकारी होने पर पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्रा, डॉ अभय कुमार मिश्र सहित कई लोग घर पहुंच परिजनों के प्रति संवेदना जतायी।

भड़के आईजी गलत रिपोर्ट दर्ज किया तो करेंगे कार्यवाही

प्रखर जौनपुर। वाराणसी परिक्षेत्र के आईजी एस के भगत ने कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में संवेदनशील, अतिसंवेदनशील तथा सामान्य बूथों पर माहौल बिगाड़ने वालों में मृत हो चुके लोगों को पाबंद करने या गलत रिपोर्ट देने पर थाना प्रभारियों को दोषी मानते हुए दंडित किया जाएगा । पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) एस के भगत सोमवार को हमारे जौनपुर प्रतिनिधि से वार्ता कर रहे थे । उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में संवेदनशील , अतिसंवेदनशील तथा सामान्य बूथों पर माहौल बिगाड़ने वालों को चिन्हित करने के लिए परिक्षेत्र के सभी पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया गया है कि चुनाव में गड़बड़ी पैदा करने वालों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही करें, मगर पिछले चुनावों की सूची को नजीर नहीं माना जाए । उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में बूथों पर प्रभावशाली, दबंग किस्म के लोग अपनी पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में मतदान करने के लिए मतदाताओं पर दबाव बनाते हैं पक्ष में मतदान नहीं करने पर

मतदाताओं को धमकाते हैं इसको लेकर बूथों पर कई बार माहौल बिगड़ चुका है गोली चलने के साथ हत्या भी हो चुकी है ।

उन्होंने कहा कि बूथों पर माहौल खराब न हो इसको देखते हुए सभी पुलिस अधीक्षक अपने अपने जिले में संवेदनशील, अतिसंवेदनशील तथा बूथों पर माहौल खराब करने वाले लोगों को की सूची बनाने के साथ पाबंद कर लें। उन्होंने कहा कि कुछ कर्मियों की गलत रिपोर्टिंग के चलते मृत व्यक्तियों को पाबंद करने पर विभाग की किरकिरी होती है। उन्होंने कहा कि कुछ पुलिसकर्मी क्षेत्र में एक स्थान पर बैठकर सूची बनाने के साथ पाबंद कर देते हैं, नाम बताने वाला व्यक्ति राजनीतिक भी होता है, ऐसे में राजनीतिक द्वेष की भावना से लोग नाम बता देते हैं। उन्होंने कहा कि बूथों पर माहौल खराब करने वालों को ही पाबंद करें उसमें राजनीतिक द्वेष नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील व अतिसंवेदनशील बूथों पर विशेष नजर रखने की जरूरत है , कुछ अराजक तत्व बूथों पर किसी के पक्ष में मतदान कराने का ठेका लेते हैं। छोटे-बड़े सभी चुनाव में माहौल खराब करने के साथ उनका हस्तक्षेप रहता है , ऐसे लोगों पर विशेष नजर रखने के साथ कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए उनके खिलाफ सख्ती से कार्यवाही करने के साथ जेल भी परहेज न करें ।

माजिद एडवोकेट बनाये गए बीजेपी के अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष

प्रखर खेतासराय जौनपुर। शाहगंज ब्लॉक मुख्यालय पर ब्लॉक प्रमुख पति व भाजपा नेता अजय कुमार सिंह की मौजूदगी में शाहगंज विधानसभा के दर्जन भर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भाजपा में सदस्यता ग्रहण किया। उन्हें अल्पसंख्यक मोर्चा में पदाधिकारी बनाया गया। विधानसभा चुनाव से पूर्व अल्पसंख्यक लोगों के जुड़ाव से गुलाबी ठण्ड में राजनीति गर्म हो गई। सोमवार की दोपहर सोंधी स्तिथ विकास खण्ड में भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों की मौजूदगी में लोगों ने सदस्यता ग्रहण किया और उन्हें पद देकर सम्मानित भी किया गया।माजिद एडवोकेट- रजा हुसैन को उपाध्यक्ष, महफूज आलम- महामंत्री,परवेज अहमद-कोषाध्यक्ष, अनीश अहमद,रहबर अली, मो हाशिम और मो फहीम अहमद अली को मंत्री जबकि आरिफ कुरैशी को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। इस मौके पर संगठन के मण्डल अध्यक्ष मुस्तकीम अहमद ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का भाजपा पर झुकाव बढ़ रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुशासन से मुस्लिम कम्युनिटी के लोग सन्तुष्ट है। समाजवादी पार्टी के लोगों ने इस समुदाय का उपयोग किया है।लगातार लोग भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे। 2022 में पुनः हमारी सरकार बनेगी। ब्लॉक प्रमुख पति अजय कुमार सिंह ने कहा कि निश्चित ही शाहगंज विधानसभा में पार्टी को और मजबूती मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

सपा मुखिया का सामाजिक समरसता के रूप में मना जन्मदिन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। समाजवादी पार्टी के मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के 63 वे जन्मदिन पर कठिराव स्थित कैम्प कार्यालय पर केक काटकर उनके दीघार्यु होने की कामना की गई। इसके पूर्व जन्मदिन पर 108 गायत्री मंत्र का जाप करवाया गया। इस दौरान नंदलाल जायसवाल , उदल सिंह पटेल मालती देवी, लक्ष्मी शंकर पटेल, अब्दुल गफ्फार, आजाद अली , राजेश चौरसिया , दिनेश यादव, शैलेंद्र यादव, चंद्रबली गुप्ता, बरकत अली, कमलेश यादव मकबूल अली तसव्वर अली प्रभाकर सरोज रशीद भाई अब्दुल मोहम्मद रशीद सोमनाथ यादव पूर्व प्रधान सुंदरगढ़ ज्ञानचंद सेठ नागेश यादव बृजेश यादव समेत अनेक कार्यकर्ता रहे।

समाजसेवी शमीम अहमद की आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

प्रखर खेतासराय जौनपुर। खेतासराय निवासी समाजसेवी शमीम अहमद की सोमवार को आकस्मिक निधन से नगर में शोक की लहर दौड़ गई।दिवंगत को सैकड़ो लोगों की मौजूदगी में पुशतैनी कब्रिस्तान में सुपर्दे-ए खाक किया गया। बताया जाता है कि 50 वर्षीय शमीम अहमद खेतासराय कस्बे के जोगियाना वार्ड के निवासी है, मिलनसार और मृदुल भाषा के कारण लोकप्रिय थे।अचानक सोमवार की प्रातः निधन से हर कोई हतप्रभ रह गया।प्रबुद्धजनों समेत इलाके के लोगों घर पहुँचकर परिजनों को ढांढस दिलाया।चैयरमैन वसीम अहमद,वरिष्ठ पत्रकार डॉ कुँवर यशवंत सिंह,भानु प्रताप सिंह, यूसुफ खान, मोहम्मद अरशद , सभासद गयासुद्दीन, नौशाद, शाहिद, नियाज, बदरे आलम आलम अन्य लोग मौजूद रहे।

व्यापारी नेता सद्दाम हुसैन ने थामा समाज वादी पार्टी का हाथ

प्रखर जौनपुर। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी सियासी दलों की तरफ से जोड़-तोड़ और बयानबाजी का सिलसिला जोर-शोर से जारी है इसी क्रम में ऐतिहासिक जिला कहे जाने वाले जौनपुर में भी समाजवादी पार्टी ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है जौनपुर के टीडी कॉलेज के छात्र संघ चुनाव में चर्चित नेता के तौर पर जाने जाने वाले सद्दाम हुसैन ने आज समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली ,सद्दाम हुसैन छात्र राजनीति के साथ-साथ व्यापार मंडल के भी प्रदेश उपाध्यक्ष हैं, आज पार्टी कार्यालय पर पूर्व छात्र संघ नेता सद्दाम हुसैन ने सपा जिला अध्यक्ष के हाथों समाजवादी पार्टी की सदस्यता ले ली। उन्होंने कई क्षेत्रीय नेताओं की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया ,सद्दाम हुसैन जौनपुर की सक्रिय राजनीति का भी हिस्सा रहे हैं और कई सामाजिक संगठनों से भी जुड़े रहे हैं। पार्टी की सदस्यता ग्रहण के समय सपा नेता अरशद खान,सभासद साजिद अलीम,सभासद इरशाद मंसूरी,सपा नेत्री पूनम मौर्य मौजूद रहीं।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा ने पुलिस अधीक्षक गाजीपुर को सौपा पत्रक

प्रखर गाजीपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा गाजीपुर के युवा जिला अध्यक्ष श्री राजकुमार सिंह के नेतृत्व में क्षत्रिय महासभा का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक गाजीपुर से मिलकर एक पत्रक सौंपा इस मौके पर युवा जिला अध्यक्ष ने बताया कि अनन्त कुमार सिंह पुत्र श्री सर्वानन्द सिंह जो कि प्रधानाध्यापक प्रा0वि0 माहेपुर करण्डा गाजीपुर एवं दुर्गेश प्रताप सिंह पुत्र श्री श्याम बिहारी सिंह सहायक अध्यापक उच्च प्रा0वि0 कर्इला करण्डा गाजीपुर में कार्यरत है जो कि विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश गाजीपुर के जिला अध्यक्ष एवं जिला उपाध्यक्ष है। जिनके ऊपर खण्ड शिक्षा अधिकारी मरदह कल्पना भारती द्वारा दिनांक-21-11-2021 को मरदह थाने में एस0टी0एस0सी0 एवं महिला छेड़खानी के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। जबकि महोदय 08 अक्टूबर को खण्ड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय कैम्प पर स्थित कम्पोजिटिव विद्यालय मरदह में 13 वर्षिय नाबालिग छात्रा के साथ खण्ड शिक्षा अधिकारी के ड्राइवर द्वारा उनके कमरे में बलात्कार किया गया, जो कि उन्होने अपना विश्राम गृह बना रखा था। उसके पश्चात उस मामले को लेकर जब काफी हो हल्ला मचा तब ड्राइवर को जेल भेज दिया गया और दो शिक्षक सत्यवती कुशवाहा, प्रधानाध्यापिका कम्पोजिटिव विद्यालय मरदह एवं राजेश भारती सहायक अध्यापक उसी विद्यालय मरदह को निलम्बित किया जा चुका है। जबकी यह सारी की सारी जिम्मेदारी खण्ड शिक्षा अधिकारी की बनती थी, क्यों कि इनका ड्राइवर उसमें सामिल था इन शिक्षको से कोई लेना देना नही था और जब इसकी आवाज संगठन के जिलाध्यक्ष होने के नाते इन लोगों ने उठाई तो उस द्वेश भावना से ग्रसित होकर तथा अपना बचाव करते हुये इनके ऊपर फर्जी ढंग से प्राथमिकी दी गयी। जिस पर 08 नम्बर 2021 को क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के सामने दोनों पदाधिकारियों का कलमबद्ध बयान किया गया। उन सारे को दर किनार कर दिनांक-21-11-2021 को मरदह थाने में फर्जी ढंग से मुकदमा कायम किया गया जो कि सरासर गलत एवं अन्याय है। अतः श्रीमान जी मामले की गम्भीरता को समझते हुये पुनः इसकी स्वच्छ जॉच कराकर मुकदमा वापस लिया जाय अन्यथा अखिल भारती क्षत्रिय महासभा युवा के कार्यकर्ता आन्दोलन के लिए बाध्य होगी जिसकी सारी की सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर प्रदेश सचिव आनंद सिंह जिला उपाध्यक्ष तारकेश्वर सिंह सिंघम रिंकू सिंह अश्वनी सिंह बिट्टू सिंह सनी सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

सपाजनों ने मुलायम सिंह यादव का जन्मदिन मनाया

प्रखर वाराणसी। समाजवादी पार्टी के संरक्षक लोकसभा सदस्य मुलायम सिंह यादव के 83वें जन्मदिन के अवसर पर युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह , युवजनसभा महानगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश सोनकर सोनू , शिक्षक सभा महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता और व्यापार सभा के पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश केशरी के नेतृत्व में लम्बी आयु की कामना के लिए रविदास घाट पर माँ गंगा का 82 किलो दूध से दुग्धाभिषेक किया गया ।युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह ने कहा मुलायम सिंह यादव की राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धान्तों में अटूट आस्था रही है। भारतीय भाषाओं, भारतीय संस्कृति और शोषित पीड़ित वर्गों के हितों के लिए उनका अनवरत संघर्ष जारी रहा है। उन्होंने ब्रिटेन, रूस, फ्रांस, जर्मनी, स्विटजरलैण्ड, पोलैंड और नेपाल आदि देशों की भी यात्राएँ की हैं। लोकसभा सदस्य कहा जाता है कि मुलायम सिंह

उत्तर प्रदेश की किसी भी जनसभा में कम से कम पचास लोगों को नाम लेकर मंच पर बुला सकते हैं। समाजवाद के फ्राँसीसी पुरोधा 'कॉम डी सिमॉन' की अभिजात्यवर्गीय पृष्ठभूमि के विपरीत उनका भारतीय संस्करण केंद्रीय भारत के कभी निपट गाँव रहे सैंफई के अखाड़े में तैयार हुआ है। वहाँ उन्होंने पहलवानी के साथ ही राजनीति के पैंतरे भी सीखे। लोकसभा से मुलायम सिंह यादव ग्यारहवीं, बारहवीं, तेरहवीं और पंद्रहवीं लोकसभा के सदस्य चुने गये थे। युवजनसभा महानगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश सोनकर सोनू ने कहा केंद्रीय राजनीति में मुलायम सिंह का प्रवेश 1996 में हुआ, जब काँग्रेस पार्टी को हरा कर संयुक्त मोर्चा ने सरकार बनाई। एच. डी. देवेगौडा के नेतृत्व वाली इस सरकार में वह रक्षामंत्री बनाए गए थे, किंतु यह सरकार भी ज्यादा दिन चल नहीं पाई और तीन साल में भारत को दो प्रधानमंत्री देने के बाद सत्ता से बाहर हो गई। 'भारतीय जनता पार्टी' के साथ उनकी विमुखता से लगता था, वह काँग्रेस के नजदीक होंगे, लेकिन 1999 में उनके समर्थन का आश्वासन ना मिलने पर काँग्रेस सरकार बनाने में असफल रही और दोनों पार्टियों के संबंधों में कड़वाहट पैदा हो गई। 2002 के उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 391 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए, जबकि 1996 के चुनाव में उसने केवल 281 सीटों पर ही चुनाव लड़ा था।

शिक्षक सभा के महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता ने कहा नेताजी मुलायम सिंह यादव जी राजनीति में आने से पूर्व एक शिक्षक थे , आगरा विश्वविद्यालय से राजनैतिक विज्ञान में (एमए)और बीटी करने के बाद इंटर कालेज में प्रवक्ता नियुक्त हुए और सक्रिय राजनीति में आने के बाद नौकरी से त्यागपत्र देकर समाजवादी आंदोलन को मजबूत किया । शिक्षक से विधायक फिर सांसद , मुख्यमंत्री फिर रक्षा मंत्री बने । चुंगी प्रथा को खत्म कर व्यापारियों को इंस्पेक्टर राज से मुक्ति दिलाई । पूर्व व्यापारसभा महानगर अध्यक्ष राजेश केशरी ने कहा रक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने सैनिकों को सम्मान दिलाया । मरणोपरांत उनके शव को घर तक राजकीय सम्मान से पहुंचवाने की प्रथा की शुरूआत नेताजी ने ही किया । हमेशा से राजनीति में मुलायम सिंह यादव जी अपने राजनैतिक धोबिया पछाड़ के लिए जाने जाते हैं। व्यापारसभा महानगर उपाध्यक्ष वीरेन्द्र यादव और युवजनसभा महानगर सचिव रवि कुमार बिन्द उर्फ भानु ने कहा भारतीय राजनीति में नेताजी ने अपने व्यवहार से विरोधीयों को भी अपना कायल बनाया है । जमीनी स्तर से पार्टी को मजबूत कर देश प्रदेश में समाजवाद का लोहा मनवाया ।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से - वरुण सिंह , सत्यप्रकाश सोनकर सोनू , आलोक गुप्ता , राजेश केशरी , वीरेन्द्र यादव , संजय यादव ,रवि कुमार बिंद उर्फ भानु , कृपाशंकर यादव , नीरज सेठ , सचिन यादव , विनय भट्ट , रमेश , अरविंद यादव गोलू , सतीश पाल , किशन कन्नौजिया , योगेंद्र आर्या , विवेक शाही , राहुल बिन्द , मनीष , ब्यूटी सोनकर , स्वपनिल सोनकर सौरभ , मौजूद रहे ।

अन्नपूर्णा मन्दिर मे सत्रह दिवसीय महाव्रत 24 नवम्बर से प्रारम्भ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 17 दिवसीय महाव्रत अगहन माह के कृष्ण पक्ष के पंचमी तिथि के 24 नवम्बर दिन बुधवार से होगा जिसका समापन 17 वे दिन धान के श्रंगार के साथ अगहन माह के शुक्ल पक्ष 9 दिसम्बर शुक्रवात को होगा। मां अन्नपूर्णा का महाव्रत बुधवार से आरंभ होने जा रहा है। यह महाव्रत 17 वर्ष 17 महीने 17 दिन का होता है। परंपरा के अनुसार इस व्रत के प्रथम दिन प्रातः मंदिर के महंत स्वयं अपने हाथों से 17 गांठ के धागे भक्तों को देते हैं।

माता अन्नपूर्णा के इस महाव्रत में भक्त 17 गांठ वाला धागा धारण करते हैं। इसमें महिलाएं बाएं व पुरुष दाहिने हाथ में इसे धारण करते हैं। इसमें अन्न का सेवन वर्जित होता है। केवल एक वक्त फलाहार किया जाता है वह भी बिना नमक का। 17 दिन तक चलने वाले इस अनुष्ठान का उद्यापन 9 दिसम्बर को होगा उसी दिन माँ धान की बालियों से मां अन्नपूर्णा के गर्भ गृह समेत मंदिर परिसर को सजाया जाता है और प्रसाद स्वरूप धान के बाली आम भक्तों में वितरण किया जाता है ।

मान्यता है की पूर्वांचल के किसान अपनी फसल की पहली धान की बाली मां को अर्पित करते है और उसी बाली को प्रसाद के रूप में दूसरी धान की फसल में मिलाते हैं। वे मानते है कि फसल में बढ़ोतरी होती है। महंत शंकर पूरी ने कहा माता अन्नपूर्णा का व्रत-पूजन दैविक, भौतिक का सुख प्रदान करता है और अन्न-धन, ऐश्वर्य की कमी नहीं होती है।

सफलता के लिए निरंतर अभ्यास लगन जरूरी : फादर पी.विक्टर

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। जिले के सेंटजॉन्स स्कूल,सिद्दीकपुर में सीआईएससीई बोर्ड की सेमेस्टर परीक्षाओं की शुरूआत हुई।इंटरमीडिएट में 98 और हाईस्कूल में 153 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हो हुए। सोमवार को अंग्रेजी द्वितीय प्रश्नपत्र के साथ इंटरमीडिएट की परीक्षा प्रारम्भ हुई।अंग्रेजी प्रथम प्रश्नपत्र के साथ हाईस्कूल की परीक्षा 29 नवम्बर से शुरू होगी।विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर.पी विक्टर ने बताया कि इस परीक्षा में कोविड 19 के दिशानिर्देशों का कठोरता पूर्वक पालन किया जा रहा है।हैंड सेनेटाइजर एवं शारीरिक दूरी जैसे नियमों का पालन किया जा रहा है।फर्स्ट एड बॉक्स एवं जल आदि की व्यवस्था की गई है ताकि विद्यार्थियों को असुविधा न हो। शिक्षक एवं छात्र सभी के लिए मास्क पहनना अनिवार्य है।मास्क

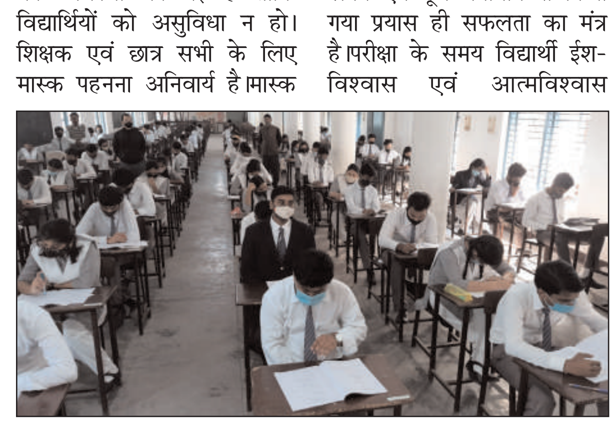

के बिना विद्यालय में प्रवेश वर्जित है।प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को परीक्षा की शुभकामना प्रेषित की और कहा कि निरंतर अभ्यास, लगन एवं पूर्ण मनोयोग से किया गया प्रयास ही सफलता का मंत्र है।परीक्षा के समय विद्यार्थी ईश-विश्वास एवं आत्मविश्वास रखें।धीरे धीरे कोविड 19 महामारी में कमी आ रही है फिर भी हमें कोविड नियमों का कठोरतापूर्वक पालन करते रहना है।

तहसील के सबसे बड़े बकायेदार के फर्म की जमीन हुई कुर्क

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील के सबसे बड़े स्टाम्प ड्यूटी के दो बकायेदार फर्म द्वारा बकाया चुकता न करने पर जमीन कुर्क कर दी गई। डीएम द्वारा वसूली के सख्त निर्देश के बाद तहसीलदार विकास में स्थित आराजी नम्बर 859 की जमीन कुर्क कर दी गई। इसके ऊपर लागभग 3 लाख रुपये बकाया थे। वही उसके बाद स्टाम्प मद के दूसरे बकायेदार नीलगिरी इंफ्रासिटी रामपुर सिसवा के आराजी नम्बर 468 क

पांडेय व नायब साक्षी राय के नेतृत्व में पहुची टीम ने तहसील के सबसे बड़े बकायेदार फर्म एवीएस इंफ्रा डेवलपर्स द्वारा स्टाम्प ड्यूटी के रूप में बकाया 10 लाख 37 हजार 280 रुपये का भुगतान न करने पर पिंडरा तहसील के ही अहरक गांव की कुर्की की गई। सोमवार सुबह 10 बजे से शुरू हुई कार्यवाही घण्टे भर चली। जमीन को कुर्क करने के बाद बोर्ड भी तहसील प्रशासन द्वारा लगा दिया गया। बकायेदार के खिलाफ हुई कार्यवाही से अन्य बकायेदारों में हड़कंप मच गया।

मुलायम सिंह यादव का 83वां जन्मदिन मनाया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। जिला सचिव रामकुमार यादव राजू एवं यू जनसभा के महानगर उपाध्यक्ष आशीष राय और यू जनसभा के नगर अध्यक्ष उमेश सोनकर के नेतृत्व में पूर्व रक्षा मंत्री पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री मुलायम सिंह यादव जी (नेताजी) का 83वा जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। और सभी कार्यकताओं में मिठाई बांट कर उनके दीघार्यु की भावना से कामना किया गया।जिसमें मुख्य रुप से पूर्व नगर अध्यक्ष इश्तियाक अहमद कैंट विधानसभा उपाध्यक्ष विनोद यादव पूर्व प्रदेश सचिव बलराम पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव आनंद यादव पूर्व सभासद विनोद यादव दीपक गुप्ता अखिलेश यादव अजीत यादव बाबा पाल भरत यादव किशन यादव मोनू पाल सतीश यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

भाकियू (अ) का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन लक्ष्मीगंज चीनी मिल गेट पर 22 नवम्बर से प्रारम्भ

प्रखर कुशीनगर। कुशीनगर की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने तथा कप्तानगंज चीनी मिल पर किसानों के गन्ने के बकाये का सम्पूर्ण भुगतान कराने की मांग को लेकर भाकियू (अ) का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन लक्ष्मीगंज चीनी मिल गेट पर आज 22 नवम्बर 2021से प्रारम्भ हो गयो ज्ञातब्य हो कि, जनपद कुशीनगर की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिए किसानों द्वारा जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में 2017 से लगातार माँग किया जा रहा है। इसी को लेकर भाकियू (अ) के जिलाध्यक्ष- रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में 109 दिन धरना प्रदर्शन भी हुआ था। परन्तु उसके बाद भी केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिए घोषणा नहीं किया। उक्त के क्रम में पुनः दिनांक 01 नवम्बर 2021 को सूबे के मुख्यमन्त्री से सम्बन्धित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी, कप्तानगंज को सौपते हुये माँग किया गया कि, लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मील को चलवाने के लिए और कप्तानगंज चीनी मिल पर किसानों के गन्ने के बकाये सम्पूर्ण भुगतान कराने के लिये सरकार 15 नवम्बर 2021 तक आदेश पारित करे और यदि उक्त सम्बन्ध में आदेश पारित करने की घोषणा भी नहीं करती है तो, दिनाँक 22 नवम्बर 2021 से भारतीय किसान यूनियन (अ) लक्ष्मीगंज चीनी मिल के गेट पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगा। उक्त क्रम में सरकार द्वारा किए गये किसी भी कार्यवाही करने अथवा किसी सकारात्मक पहल की जानकारी नहीं प्राप्त होने की स्थिति में बाध्य होकर आज से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया गया है। इस मौके पर पूर्व सैनिक जय प्रकाश मिश्रा, सदानन्द यादव, सुभाष चन्द्र, जिला सचिव चेतई प्रसाद, चाँदबली,रामअधार, धीरज कुमार, दिश्रीकान्त, मौफिल अंसारी, मैना देवी, अंगद गौड़, बेलास गौड़ के साथ साथ सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

सुरेन्द्र ने कालाजार और कोरोना को दी मात

गोपालगंज, कसया, गोरखपुर और लखनऊ तक कराया इलाज, कालाजार की पुष्टि हुई तो मिला सफल इलाज, अब जी रहे सामान्य जिंदगी

प्रखर कुशीनगर। कुशीनगर जनपद निवासी सुरेन्द्र यादव कालाजार और कोरोना को मात देकर अब सामान्य जिंदगी जी रहे हैं। जब वह बीते जनवरी माह में बीमार पड़े तो दवा के लिए गोपालगंज, कसया, गोरखपुर तथा लखनऊ तक गये। उनकी तबीयत में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। और जांच में कोविड की पुष्टि हो गयी। वह जब घर आये तो लक्षण के आधार पर स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों की सलाह पर उन्होंने कालाजार की भी जांच कराई। जांच में कालाजार की पुष्टि हुई, और कुशीनगर जिला चिकित्सालय में उनका इलाज हुआ।

सेवरही ब्लॉक के ग्राम पंचायत जबही हरबल्लभ निवासी सुरेन्द्र यादव (करीब 40) को बीते जनवरी 2021 में बुखार के साथ कपकपी आने लगी। इलाज के लिए कसया और गोपालगंज गए। उनकी तबीयत में सुधार न होने पर गोपालगंज (बिहार) के निजी चिकित्सक ने कालाजार की जांच कराने व गोरखपुर ले जाने की सलाह दी।

सुरेन्द्र को पहली मार्च को गोरखपुर मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। इलाज शुरू हुआ। वहां दो यूनिट खून भी चढ़ा। सेहत में अपेक्षित सुधार न होने पर वहां से सुरेन्द्र को केजीएमसी लखनऊ में भर्ती कराया गया। वहां जांच में वह कोरोना पॉजिटिव मिले। इसकी वजह से उनको क्वारंटीन होना पड़ा। इलाज के लिए काफी धन भी खर्च हुआ।

इस बीच कालाजार बचाव के लिए उक्त गांव (बजही बल्लभ) में छिड़काव कराने गयी टीम को सुरेन्द्र की तबीयत खराब होने की जानकारी मिली। छिड़काव कर्मियों की सूचना पर तरयासुजान के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ.अमित राय के निर्देशन में स्वास्थ्य निरीक्षक संजय कुमार सिंह, बीपीएम सुभाष जायसवाल, बीसीपीएम अमित श्रीवास्तव, आशा कार्यकर्ता कुंती देवी व पाथ संस्था के ब्लॉक मानीटर मानव कुमार व बलबीर भी सुरेन्द्र से टेलीफोनिक संपर्क करने लगे।

लखनऊ से वापस आने के बाद स्वास्थ्य टीम ने सुरेन्द्र की जांच करायी गयी तो कालाजार की पुष्टि हुई। इलाज के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय कुशीनगर में भर्ती कराया गया। अब सुरेन्द्र स्वस्थ हो गए हैं। पाथ संस्था के ब्लॉक मानीटर मानव कुमार व बलबीर ने बताया कि उनके द्वारा कालाजार मरीजों का नियमित फॉलोअप भी किया जाता है। सुरेन्द्र से मुलाकात करके या टेलीफोनिक वार्ता के जरिये सेहत को जानकारी ली जाती है। सुरेन्द्र को औषधीय मच्छरदानी भी दी गयी है।

कालाजार के 14 तो चमड़ी कालाजार के 20 मरीज मिले

सहायक मलेरिया अधिकारी अनिल कुमार चौरसिया ने बताया कि जिले में पहली जनवरी से 2021 से 20 नवम्बर तक कालाजार के 14 तथा चमड़ी कालाजार के 20 मरीज मिले हैं सभी को इलाज कराया गया। नियमित रूप से फॉलोअप भी कराया जाता है।

कालाजार के लक्षण

कालाजार बालू मक्खी से फैलने वाली बीमारी है। यह मक्खी नमी वाले स्थानों पर पाई जाती है। यह छह फीट ही उड़ पाती है। इसके काटने से मरीज बीमार हो जाता है। उसे रूक-रूक कर बुखार चढ़ता उतरता है। लझण दिखने पर मरीज को चिकित्सक से दिखाना चाहिए। इस बीमारी से मरीज का पेट फूल जाता है। भूख कम लगती है।शरीर काला पड़ जाता है।

ई0 अशोक यादव एवं निर्मला सिंह पटेल के प्रथम काशी आगमन पर शुभचिंतको और भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बाल कल्याण आयोग के सदस्य के रूप में मनोनीत (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) इ० अशोक यादव एवं निर्मला सिंह पटेल का रविवार को प्रथम काशी आगमन पर उनके शुभेच्छुओं और भाजपा कार्यकताओं द्वारा जगह जगह पर भव्य स्वागत किया गया। रास्ते में महिला मोर्चा के पदाधिकारियों ने महानगर अध्यक्ष कुसुम पटेल के नेतृत्व में दोनों नेताओं को फूल मालाओं से लाद दिया। दोनों नेताओं ने रास्ते में चौरा माता मंदिर, लहुराबीर बाबा और संकट मोचन हनुमान जी के दरबार में दर्शन कर मत्था भी टेका। रविवार को दोपहर में सड़क मार्ग से शहर में प्रवेश करने पर कार्यकताओं ने सन्त अतुलानंद स्कूल गिलट बाजार, राजर्षि उद्यान भोजूबीर, पुलिस लाइन चौराहा निकट, सांस्कृतिक संकुल, तेलियाबाग, लहुराबीर, रमाकांत नगर स्थित आवास पर स्वागत समागम, सी एच एस, आइ पी विजया, लंका चौराहा और संकटमोचन हनुमान जी एवं श्रीमती निर्मला पटेल के घर तक बधाई यात्रा गया साथ ही निर्मला सिंह पटेल को भी इसी पद पर प्रतिष्ठित होने की बधाई एवं अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से गोवर्धन पूजा समिति के अध्यक्ष अशोक यादव, महानगर मंत्री बृजेश चौरसिया, जेपी सिंह, साधना सिंह, महानगर मीडिया प्रभारी किशोर कुमार सेठ, मंडल अध्यक्ष गोपाल गुप्ता और सिद्ध नाथ शर्मा, शोभनाथ विश्वकर्मा, पार्षद शैलेंद्र श्रीवास्तव, मदन मोहन दुबे, सुशील गुप्ता, बृजेश श्रीवास्तव के साथ शिवशंकर यादव, अजीत सिंह, राजेश सेठ, हरीश चंद्र मौर्या, अमित चौरसिया, अमन श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा सातवां प्रतिज्ञा पद यात्रा

प्रखर केराकत जौनपुर। कांग्रेस प्रतिज्ञा पदयात्रा का सातवां चरण पराऊगंज से होकर छातीडीहा थौर मठिया कोठवार जहरीलाकला जाकर समापन किया तथा पर पराऊगंज चौराहे पर नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया जिस में उपस्थित हमारे विधानसभा केराकत के प्रभारी डॉ संतोष कुमार गिरी केराकत ब्लॉक अध्यक्ष लालता चौधरी डोभी ब्लाक अध्यक्ष सुभाष चंद्र सिंह भावी प्रत्याशी सुशील सोनकर भगवान दीन विनोद कुमार विनोद कुमार पाल मुफ़्तीगंज ब्लॉक अध्यक्ष रविलाल अपनी अपनी टीम लेकर उपस्थित हुए और कार्यक्रम पूर्ण समापन किया गया।

समाजवादी पार्टी नगर अध्यक्ष जितेंद्र मलिक के नेतृत्व में मुलायम सिंह यादव जी का 83 वा जन्मदिन ईदगाह के पास बहुत धूमधाम मनाया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। समाजवादी पार्टी के संरक्षक, पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व रक्षा मंत्री रहे आदरणीय धरती पुत्र श्री मुलायम सिंह यादव जी का 83 वा जन्मदिन ईदगाह के पास बहुत धूमधाम से बनाया गया।कार्यकताओं ने बधाई संदेश देते हुए उनकी लम्बी उम्र की कामना की व जन्मदिन की तोहफा के रूप में शपथ लिया गया कि20022में समाजवादी सरकार बनाएंगे।उनके जन्मदिन को किसानों के जीत के रूप में मनाया गया।तानाशाही मोदी सरकार द्वारा तीनो कृषि बिल वापस लिया गया यह लगातार समाजवादियों द्वारा किसानों के साथ संघर्ष का परिणाम रहा है।वहा उपस्थित महिलाओं ने भी सपा में आस्था व्यक्त करते हुए समाजवादी सरकार बनाकर नेताजी को जन्मदिन का उपहार के रूप में देने के लिए समर्थन किया।प्रमुख रूप से नगर अध्यक्ष जितेंद्र मलिक, पूर्व सभासद संजय यादव, सभासद राजू सोनकर, उपाध्यक्ष इंज्मामूल खा, राष्ट्रीय सदस्य लोहिया वाहिनी रामबाबू सोनकर, अरशद राईन, आशीष यादव, राहुल शर्मा, मीना सिंह, मानसिंह चौहान, मनीष यादव, गुलशन पांडेय, अभिषेक त्रिपाठी, महताब, करन सोनकर, अशोक यादव, दिलदार खान, मेराज अहमद, आदि लोग शामिल थे।

रोट्रेक्ट प्रीमियर लीग का खिताब प्रयागराज ने जीता

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रोट्रेक्ट मंडल 3120 के अंतर्गत रोट्रेक्ट क्लब उदयवीर द्वारा आयोजित रोट्रेक्ट प्रीमियर लीग एक दिवसीय सिगरा स्टेडियम में सुबह से प्रारम्भ हो गई। आपको बताना है कि इस प्रीमियर लीग में 4 टीमो नेभाग लिया। जिसमे गोरखपुर, मिजार्पुर, प्रयागराज और वाराणसी के बीच नॉकआउट रूप में खेला गया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ दया शंकर मिश्र (दयालु गुरु) द्वारा उदघाटन मैच से प्रारम्भ किया गया। इस अवसर पर सचिन मिश्र ने टूनार्मेन्ट की टी शर्ट का भी लांचिग किया गया। इस अवसर पर दीपक आस्थाना, शशि सिंह, धमेन्दर, प्रेम, आदि थे। पहला सेमी फाइनल मैच महाकाल (गोरखपुर) व विन्धयाचल के बीच हुआ। जिसमे मैच गोरखपुर नेजीता। दूसरा मैच रोटरैक्ट उदयवीर व परयागराज के बीच सपन्न हुआ। फाइनल मुकाबला परयागराज व गोरखपुर के बीच सपन्न हुआ। जिसमे परयागराज सात विकेट से जीत गया।

मुलायम सिंह का जन्मदिन मनाया गया

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के संरक्षक पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का 83 जन्मदिन समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव के नेतृत्व मे बडे धूमधाम से मनाया गया लालबहादुर यादव ने कहा की नेताजी देश के नेता है उनका राजनीतिक जीवन संघर्ष के बल पर एक अलग पहचान बनाई उन्होंने

सदा कमजोर गरीब दलित पिछड़े के हक की लडाई लडें उन्हीं के मुख्यमंत्री कार्यकाल मे पंचायत चुनाव को आरक्षण मिला था आज नेताजी के जन्मदिन के अवसर पर हम सब देश और प्रदेश की खुसहाली के लिए संकल्प लें 2022 मे समाजवादी सरकार बना कर नेताजी जन्मदिन मनाया जाय जन्मदिन मे मुख्य रूप से पूर्व विधायक अरशद खाँ,पूर्व जिलापंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव,उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल, प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी, राजन यादव,विवेक रंजन यादव,प्रमुख मुन्ना यादव,पूनम मौर्या,दीपचंद राम शाजिद अलीम, कमालुद्दीन अंसारी,संजीव साहू,आशा राम यादव,निजामुद्दीन, आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वाचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं